RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 128 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 02-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं : किरेन रीजीजू

6 पशु-पक्षियों के संकेत आज भी कारगर

7 किरदार भी बदल सकता है जिंदगी : शेफाली शाह

फर्स्ट टेक

चीन की प्रमुख जलविद्युत परियोजना जांच के घेरे में

बीजिंग/भाषा। चीन के फुजियान प्रांत में निर्माणाधीन प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं में से एक पर गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोप लगे हैं, क्योंकि जांच में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और लापरवाहीपूर्ण निर्माण कार्यशैली का पता चला है। आधिकारिक मीडिया की खबर के अनुसार, 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की लागत वाले योंगान बिजली केंद्र लागत में कटौती और गंभीर सुरक्षा उल्लंघनों के लिए जांच के घेरे में है। इस बिजली केंद्र को क्षेत्रीय बिजली स्थिरता और हरित परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। सरकार संचालित 'इकोनॉमिक इनफॉर्मेशन डेली' द्वारा बृहस्पतिवार को एक जांच रिपोर्ट प्रकाशित किए जाने के बाद कथित भ्रष्टाचार सार्वजनिक जांच के दायरे में आ गया है, जिसमें घटिया सामग्री के इस्तेमाल और लापरवाह निर्माण प्रथाओं का आरोप लगाया गया है।

तंबाकू, पान मसाला पर उत्पाद शुल्क और उपकर लगाने से संबंधित दो विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर खत्म होने के बाद भी तंबाकू, पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों पर कुल कर भार समान बनाए रखने के लिए सोमवार को दो विधेयक लोकसभा में पेश किए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की भारी नारेबाजी के बीच ये विधेयक पेश किए। विपक्षी सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय और द्रमुक सांसद कथिर आनंद ने इन विधेयकों को पेश किये जाने का विरोध किया।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच नए दौर की वार्ता भी रही बेनतीजा

इस्लामाबाद/भाषा। सऊदी अरब की मेजबानी में समाहांत में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता में कोई सफलता नहीं मिली, क्योंकि दोनों पड़ोसी देशों ने अपने-अपने रुख में कोई लचीलापन दिखाने से इनकार कर दिया। सोमवार को मीडिया ने यह खबर दी। 'डॉन' अखबार ने बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के हवाले से बताया कि रियाद में बंद कमरे में यह बैठक हुई और रविवार देर रात बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई। सऊदी अरब ने चुपचाप सीधी वार्ता के दौर को सुगम बनाया, जिसका उद्देश्य सीमा पार आतंकवाद पर तनाव को कम करना था।

02-12-2025 सूर्यास्त 5:51 बजे | 03-12-2025 सूर्योदय 6:27 बजे

BSE	NSE
85,641.90	26,175.75
(-64.77)	(-27.20)

सोना	चांदी
13,170 रु.	163,873 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीक लिखी

सबकुछ तो है खुला देश में,
नकल, परीक्षा, भ्रष्टाचार।
टाइट केवल आज दिख रहा,
खुली सोच या फिर बाजार।
धर्म सियासत सभी लीक पर,
लीक सनातन सा व्यवहार।
लीक छोड़ अब तीनों चलते,
नेता, बाबा या बेकार।।

अनिश्चित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा

जैविक हथियारों की चुनौती से निपटने के लिए खाका तैयार करने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का ''दुरुपयोग'' किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा। हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है।''

मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का मदद का समर्थन करता है।''

विदेशमंत्री ने कहा, ''हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके।''

जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है।''

निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है सरकार : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत दुनिया में जूते-चप्पल (फुटवियर) का एक प्रमुख निर्यातक है तथा इस क्षेत्र से देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कारोबार का और विस्तार करने की जरूरत है। फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि खेलों के तेजी से विकास और गैर-चमड़ा क्षेत्रों में कारोबार के लिए अपार अवसर मौजूद हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रहा है। मुर्मू ने कहा, '' भारत, दुनिया का एक प्रमुख जूता-चप्पल (फुटवियर) निर्यातक है, लेकिन हमारे निर्यात को और बढ़ावा देने के लिए इस व्यवसाय का और अधिक विस्तार करने की आवश्यकता है।''

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का जूते-चप्पल (फुटवियर) का निर्यात 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक और आयात 68 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।

राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में कहा कि निर्यात, आयात से चार गुना अधिक है और इसमें और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि देश जूते-चप्पल के उत्पादन व खपत में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश इस क्षेत्र में दुनिया में अगुवा बनेगा। मुर्मू ने कहा कि एफडीडीआई और नॉर्थम्पटन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भारत तथा ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत सहयोग को गहरा करने का एक और आयाम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समझौता ज्ञापन टिकाऊ सामग्रियों और संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने वाली अर्थव्यवस्था प्रथाओं पर विशेष जोर देता है।

भारतीय नौसेना के पास कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव : एडमिरल त्रिपाठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी भारतीय नौसेना के पास नहीं हैं जिनमें प्रणोदन प्रणाली, एयरो इंजन, पानी के अंदर कार्य करने वाली विशिष्ट क्षमताएं शामिल हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने छात्रों से इस कमी या विषमता को दूर करने में मदद करने का आग्रह किया।

एडमिरल त्रिपाठी ने ''समुद्री शक्ति और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार देना - एक भारतीय नौसेना परिप्रेक्ष्य'' नामक विषय पर जनरल बी.सी. जोशी मेमोरियल व्याख्यान देते हुए यह बात कही।

इसका आयोजन सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया था।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''....नौसेना ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडीईएक्स) कार्यक्रम में 198 नवाचारों का नेतृत्व किया। कुल 565 चुनौतियों में से लगभग 35 प्रतिशत, हमारी आवश्यकताओं और हमारे नवाचार की विश्वसनीयता को दर्शाती हैं। हालांकि हमने कई क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन कुछ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां आज भी हमसे दूर हैं।'' उन्होंने जहाजों और पनडुब्बियों के लिए प्रणोदन प्रणाली, एयरो इंजन, पानी के नीचे कार्य करने वाली विशिष्ट क्षमताएं, उच्च-स्तरीय हथियार प्रणाली, हाइपरसोनिक तथा क्रूज प्रणाली को कुछ उन प्रौद्योगिकियों के रूप में सूचीबद्ध किया जो हमारी नौसेना के पास नहीं हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि यह वह क्षेत्र है जहां युवा छात्र और शोधकर्ता नौसेना को इन कमियों को दूर करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हम रक्षा उद्योगों के साथ समानांतर रूप से काम कर रहे हैं।''

दिल्ली विस्फोट मामला:

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापे मारे

श्रीनगर/नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने दिल्ली में पिछले महीने लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट की जांच के तहत सोमवार को जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापे मारे। एनआईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कई आरोपियों और संदिग्धों से जुड़े परिसरों की तलाशी के दौरान विभिन्न डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। बयान में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां, कुलगाम, पुलवामा और अवंतीपोरा जिलों में कुल आठ ठिकानों, जबकि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक परिसर की तलाशी ली गई। एनआईए ने 26 और 27 नवंबर को हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर और अन्य जगहों पर मुख्य आरोपी डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन सईद से जुड़े परिसरों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की थी।

विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा

'संसद ड्रामा करने की जगह नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद 'ड्रामा' करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''हमें ज़िम्मेदारी की भावना से काम करने की ज़रूरत है। संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है।'' पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''नाटक के लिए बहुत जगह है; जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है; यह काम करने की जगह है।''

हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर।''

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। विपक्ष ने इस बार भी कहा है कि संसद में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा उसकी प्राथमिकता है और वह अपनी मांग शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगा।

इजराइल अपनी सेना को लेजरयुक्त वायु रक्षा प्रणाली 'आयरन बीम' से लैस करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'आयरन बीम' जमीन पर स्थित उच्च-शक्ति वाली लेजर से युक्त एक वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे रॉकेट, मोर्टार और यूएवी सहित विभिन्न हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए तैयार किया गया है।

तेल अवीव/भाषा। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यहां घोषणा की कि 30 दिसंबर को इजराइली सेना को लेजरयुक्त वायु रक्षा प्रणाली 'आयरन बीम' से लैस किया जाएगा। इजराइल की वायु रक्षा को और मजबूत किये जाने के लिए सेना को 'लेजर इंटरसेप्शन सिस्टम' आधारित 'आयरन बीम' सौंपा जा रहा है।

इजराइल रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास निदेशालय के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) डेनियल गोल्ड ने कहा, ''विकास कार्य पूरा हो चुका है और एक व्यापक परीक्षण कार्यक्रम ने संबद्ध प्रणाली की क्षमताओं को प्रमाणित कर दिया है। इसलिए हम 30 दिसंबर 2025 को यह प्रारंभिक परिचालन क्षमता, इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) को प्रदान करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अगली पीढ़ी की प्रणालियों को पहले से ही उन्नत किया जा रहा है।

'आयरन बीम' जमीन पर स्थित उच्च-शक्ति वाली लेजर से युक्त एक वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे रॉकेट, मोर्टार और यूएवी सहित विभिन्न हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए तैयार किया गया है।

यहां तेल अवीव विश्वविद्यालय में दूसरे अंतरराष्ट्रीय रक्षा प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में इजराइली जनरल ने कहा कि आयरन बीम लेजर प्रणाली से युद्ध के मैदान में लड़ाई के तौर-तरीकों में आमूल-चूल बदलाव आने की उम्मीद है।

इस प्रणाली को विकसित करने में एक दशक से भी अधिक समय लगा। उन्होंने कहा, ''हम भविष्य में अंतरिक्ष, आक्रामक और रक्षात्मक संघर्षों के लिए अगली पीढ़ी की तकनीकी को सक्रिय रूप से विकसित कर रहे हैं।

जब मोदी बोलते हैं तो विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोलते हैं, तो विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैं और ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत की ताकत सामने आ रही है और देश को उसका उचित स्थान मिल रहा है।

आरएसएस की स्थापना के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि किसी को जयंती या शताब्दी समारोह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों का जश्न मनाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि दिए गए कार्य को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, संघ यही करता आया है। संघ ने चुनौतियों का सामना करते हुए और कई तूफानों से जूझते हुए भले ही 100 साल पूरे कर लिए हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम आत्मचिंतन करें कि पूरे समाज को एकजुट करने के काम में इतना समय क्यों लगा। उन्होंने कहा कि आमतौर पर माना जाता है कि जब भारत आगे बढ़ता है, तो वैश्विक समस्याएं हल हो जाती हैं, संघर्ष कम हो जाते हैं और शांति कायम होती है।

भागवत ने कहा, यह बात इतिहास में दर्ज है और हमें इसे फिर से साकार करना होगा। यह समय की मांग है। मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां भारत से इसकी मांग करती हैं और इसीलिए संघ के स्वयंसेवक पहले दिन से ही इस मिशन को पूरा करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद का जिक्र करते हुए संघ प्रमुख ने कहा, प्रधानमंत्री (मोदी) को वैश्विक स्तर पर इतने ध्यान से क्यों सुना जा रहा है? उन्हें इसलिए सुना जा रहा है, क्योंकि भारत की ताकत अब उन जगहों पर प्रकट होने लगी है, जहां उसे उचित रूप से प्रकट होना चाहिए। इसने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है।

सभा को एक किस्सा सुनाते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक बार उनसे कहा गया था कि संघ 30 साल देरी से आया है।

एससी, एसटी के लिए आरक्षण बढ़ाने वाले कानून के तहत

कर्नाटक में नई भर्तियों पर रोक

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण बढ़ाने वाले अधिनियम के तहत कोई भी नयी भर्ती अधिसूचना जारी करने पर रोक लगा दी है। इस फैसले को राज्य सरकार के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (राज्य के तहत शैक्षणिक संस्थानों में सीटों और पदों एवं सेवाओं में नियुक्ति में आरक्षण) अधिनियम 2022 के तहत नयी भर्तियों पर प्रतिबंध अगले आदेश तक जारी रहेगा। हालांकि, उच्च न्यायालय ने सरकार को 19 नवंबर 2025 से पहले अधिसूचित भर्ती प्रक्रियाओं को जारी रखने की अनुमति दे दी, भले ही उनमें बढ़ा हुआ आरक्षण लागू होता हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि इन भर्तियों के माध्यम से की जाने वाली सभी नियुक्तियां कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होंगी।

दिल्ली में प्रतिदिन बढ़ते प्रदूषण का कारण पराली जलाया जाना नहीं, बल्कि यातायात : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पराली जलाने की घटनाएं कई सालों में सबसे कम होने के बावजूद, दिल्ली-एनसीआर की सर्दियों की हवा दमघोंटू बनी हुई है। अक्टूबर और नवंबर के ज़्यादातर समय, प्रदूषण का स्तर 'बेहद खराब' और 'गंभीर' के बीच रहा, जिसकी वजह मुख्य रूप से वाहनों और अन्य स्थानीय स्रोतों से निकलने वाला पीएम 2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2) और कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) का बढ़ता ज़हरीला मिश्रण है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के एक नए विश्लेषण के अनुसार, दिल्ली के कम से कम 22 वायु-गुणवत्ता निगरानी केंद्रों पर 59 दिनों का अध्ययन किया गया जिनमें से 30 से ज्यादा दिनों तक कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) का स्तर तय सीमा से ऊपर रहा। द्वारका सेक्टर-8 में सबसे ज्यादा 55 दिन कार्बन मोनोऑक्साइड की सीमा अधिक रही। इसके बाद जहांगीरपुरी और दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर रहे, जहां 50 दिनों तक कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सीमा से ज्यादा पाया गया। विश्लेषण में राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते हुए चिंताजनक क्षेत्रों पर भी प्रकाश डाला गया है। साल 2018 में, केवल 13 स्थानों को आधिकारिक तौर पर 'हॉटस्पॉट' घोषित किया गया था। अब, कई और स्थानों पर नियमित रूप से प्रदूषण का स्तर शहर के औसत से कहीं ज़्यादा दर्ज किया जा रहा है। जहांगीरपुरी दिल्ली का सबसे प्रदूषित इलाका पाया गया। यहां साल भर का पीएम2.5 का औसत स्तर 119 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। इसके बाद बावाना और वज़ीरपुर में यह स्तर 113 माइक्रोग्राम रहा। आनंद विहार में पीएम 2.5, 111 माइक्रोग्राम और मुंडका, रोहिणी तथा अशोक विहार में 101 से 103 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। सीएसई द्वारा चि ित कुछ नए हॉटस्पॉट में विवेक विहार, अलीपुर, नेहरू नगर, सिरी फोर्ट, द्वारका सेक्टर 8 और पटपड़गंज शामिल हैं। इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के छोटे शहरों में भी अधिक तीव्र और लंबे समय तक 'स्मॉग' की स्थिति रही। बहादुरगढ़ में सबसे लंबी स्मॉग की अवधि दर्ज की गई जो नौ नवंबर से 18 नवंबर तक कुल 10 दिनों तक रही। यह दिखाता है कि यह इलाका अब एक ही तरह के वायु क्षेत्र (एयरशेड) की तरह व्यवहार करने लगा है, जहां प्रदूषण का स्तर लगातार और समान रूप से ज्यादा रहता है। सीएसई के मूल्यांकन से पता चलता है कि शुरुआती सर्दियों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर स्थिर हो गया है। इसका मुख्य कारण स्थानीय स्रोतों से होने वाला उत्सर्जन है, जबकि पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण अब काफी कम हो गया है। सीपीसीबी के आंकड़ों पर आधारित इस विश्लेषण से पता चलता है कि इस मौसम में पीएम 2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2) और कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) का ज़हरीला मिश्रण बढ़ गया है। ये सभी प्रदूषक वाहनों और अन्य दहन स्रोतों से जुड़े होते हैं, और इनके बढ़ने से स्वास्थ्य जोखिम भी ज्यादा हो गए हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि यातायात के व्यस्तम समय में पीएम2.5 का स्तर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2) के स्तर के साथ लगभग एक समान बढ़ा और घटा। सुबह 710 बजे और शाम 69 बजे के बीच, दोनों प्रदूषकों का स्तर तेजी से बढ़ा, क्योंकि वाहनों से निकलने वाला धुआं सर्दियों में बनने वाली पतली वायु परतों के नीचे जमा हो गया। सीएसई की कार्यकारी निदेशक (अनुसंधान एवं नीति समर्थन) अनुमिता रॉयचौधरी ने कहा, यह समन्वित पैटर्न इस बात को पुष्ट करता है कि कणीय प्रदूषण में वृद्धि, यातायात से संबंधित उत्सर्जन एनओ2 और सीओ के कारण प्रतिदिन बढ़ रही है, विशेष रूप से कम फैलाव वाली स्थितियों में।

45 किलोग्राम वजनी महिला के शरीर से निकाली गईं 15 किलोग्राम की गांठें

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में चिकित्सकों ने जटिल सर्जरी के जरिये 50 वर्षीय महिला के शरीर से कुल 15 किलोग्राम वजन वाली दो गांठें निकालकर उसे नया जीवन दिया है। शहर के एक सरकारी अस्पताल के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के सर्जन डॉ. उपेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पड़ोस के खरगोन जिले की यह महिला पिछले दो साल से पेट में सूजन, खून की कमी और बच्चेदानी की परेशानियों से जूझ रही थी। उन्होंने बताया, ''सर्जरी के दौरान हम महिला के शरीर में दो भारी-भरकम गांठें देखकर हैरान रह गए। दोनों गांठों का वजन 15 किग्रा निकला। इनमें से एक गांठ महिला की बच्चेदानी में थी, जबकि दूसरी गांठ उसके अंडाशय में थी।'' जटिल सर्जरी से पहले महिला का वजन करीब 45 किलोग्राम था जिसमें 15 किलोग्राम की दो गांठों का भार शामिल है। उन्होंने बताया, ''सर्जरी के बाद महिला की हालत एकदम ठीक है। हमने आज (सोमवार को) उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी। अगर गांठें नहीं निकाली जातीं, तो मरीज की जान को खतरा हो सकता था।''

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंची, विवाद खड़ा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि ''जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते।''

उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा की गई आपत्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है। उन्होंने अपनी कार में कुत्ता होने के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''इस सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। जानवरों की आवाज नहीं होती। वह (कुत्ता) कार में था, तो उन्हें क्या समस्या है? यह बहुत छोटा है, क्या ऐसा लगता है कि यह काट लेगा? संसद के अंदर बैठे लोग काटते हैं, कुत्ते नहीं।'' राज्यसभा सदस्य रेणुका ने सवाल किया, ''कौन सा कानून कहता है कि मैं कुत्ते को नहीं बचा सकती?''

खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री के घर में भी कुछ पालतू जानवर हैं।

सांसद के करीबी सूत्रों ने बताया कि रेणुका चौधरी को संसद भवन में छोड़ने के बाद उनके ड्राइवर को कुत्ते को पशु चिकित्सक के पास ले जाना था।

हिमाचल में 'चिट्टा' माफिया के लिए कोई जगह नहीं : सुक्खू

शिमला/धर्मशाला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में 'चिट्टा' (मिलावटी हेरोइन) माफिया को कड़ी चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि देवभूमि में नशा तस्करों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने बड़े नेटवर्कों का भंडाफोड़ करने में मदद करने वालों के लिए पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सोमवार को धर्मशाला के दाड़ी मैदान से पुलिस मैदान तक चिट्टा विरोधी जागरुकता वॉकथॉन का नेतृत्व किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, यह लड़ाई सिर्फ तस्करों के खिलाफ नहीं है, यह मादक पदार्थ माफिया के पूरे नेटवर्क और उनके साम्राज्य के खिलाफ है। जो कोई भी हमारे बच्चों को मादक पदार्थ बेचता हुआ पाया जाएगा, उसे जेल होगी। इस वॉकथॉन में मादक पदार्थ के खिलाफ नारे लगाए गए, जिसमें विद्यार्थी और नागरिक नशा मुक्त हिमाचल संदेश वाले प्लेकार्ड लिए हुए थे और राज्य से चिट्टा सहित सभी प्रकार के मादक पदार्थों के उन्मूलन की मांग कर रहे थे। समाज के हर वर्ग से सहयोग की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि चिट्टा व्यापार के बारे में जानकारी देने और बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करने में मदद करने वालों को पांच लाख रुपए से अधिक का नकद इनाम दिया जाएगा।

पिछले 10 वर्षों में ''अघोषित आय'' देश से बाहर ले जाने का कोई आधिकारिक अनुमान नहीं: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को काले धन से जुड़े एक सवाल के जवाब में लोकसभा को बताया कि इसका कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है कि पिछले एक दशक में कितनी ''अघोषित आय'' देश से बाहर ले जाई गई। तृणमूल कांग्रेस की सांसद माला रॉय ने लिखित प्रश्न किया था कि पिछले 10 वर्षों में कितना काला धन देश में वापस लाया गया और कितना देश से बाहर ले जाया गया?

इसके लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, ''आयकर अधिनियम, 1961 या धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 में 'काले धन' के रूप में कोई अभिव्यक्ति नहीं है।'' काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 एक जुलाई, 2015 को लागू हुआ था। उनका कहना था कि इस कानून के लागू होने पर इसके तहत अघोषित संपत्ति घोषित करने की एकमुश्त तीन महीने की मियाद दी गई थी जिसमें 684 खुलासे हुए और 4,164 करोड़ रुपए का धन शामिल था।

मंत्री ने बताया कि ऐसे मामलों में कर और जुर्माने के रूप में लगभग 2,476 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई। उनका कहना है कि पिछले 10 वर्षों में कानून के तहत कर/जुर्माने/ब्याज के रूप में 339 करोड़ रुपए की वसूली की गई।

चौधरी ने यह भी कहा, ''पिछले 10 वर्षों में देश से बाहर ले जाई गई अघोषित आय की मात्रा के संबंध में कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है।''

इस साल नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की हर कोशिश नाकाम, आठ आतंकवादी मारे गए : बीएसएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मौजूदा वर्ष के दौरान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से कश्मीर में कोई आतंकवादी घुसपैठ नहीं हुई। सीमा सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने आठ घुसपैठियों को मार गिराया, जबकि पांच अन्य को वापस जाने पर मजबूर कर दिया गया। इस दौरान आतंकवादी गुर्गों के घुसपैठ के चार प्रयास नाकाम किए गए।

बीएसएफ के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने बल के 61वें स्थापना दिवस पर संवाददाताओं को बताया, बीएसएफ ने सेना के साथ मिलकर नियंत्रण रेखा पर कारगर एवं प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष कश्मीर घाटी से घुसपैठ के सभी प्रयास विफल हो गए। बल ने श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के दौरान भी आंतरिक क्षेत्रों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यादव ने बताया कि बीएसएफ ने सेना के साथ मिलकर आठ आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि पांच अन्य को वापस जाने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, हमारी जी-इकाई नियंत्रण रेखा पर सभी 69 सक्रिय 'लांचिंग पैड' पर कड़ी नजर रख रही है, जहां लगभग 100-120 आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में हैं। इसके साथ ही, आतंकवादियों के विभिन्न प्रशिक्षण शिविर भी हमारी खुफिया शाखा की जांच के दायरे में हैं। यादव ने कहा कि बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर सेना के साथ समन्वय बिठाते हुए 343 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा पर प्रभावी ढंग से तैनात है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, बीएसएफ इकाइयां पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय करके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रही हैं और कश्मीर के लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रही हैं।

रक्षा क्षेत्र की निजी कंपनियों से विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने रक्षा क्षेत्र के निजी उद्योग के सदस्यों को बहुत सारे क्षेत्रों में हाथ आजमाने का प्रयास करने के बजाय उन विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी जिसमें वे ''मजबूत'' हैं। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने रक्षा साझेदारी विषय पर यहां आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें यह देखना होगा कि अपने वर्तमान विमानों और प्लेटफार्म को अगली पीढ़ी के हथियारों को ले जाने में कैसे सक्षम बनाया जाए, जिसमें इंटर-लिंक और डेटा लिंक शामिल होंगे।''

विभिन्न वायुसेना अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और रक्षा क्षेत्र में कार्यरत कई कंपनियों के प्रतिनिधि मानेकशॉ सेंटर में रक्षा थिंक टैंक सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज और इंडियन मिलिट्री रिव्यू (आईएमआर) द्वारा आयोजित सेमिनार में भाग ले रहे हैं। वायुसेना उप प्रमुख ने कहा कि उद्योग जगत को उनकी सलाह है कि वे दीर्घकालिक भूमिका के बारे में सोचें। उन्होंने कहा, ''बड़ी कंपनियों को भूमिका निभाने की जरूरत है। बड़ी कंपनियों को सभी तकनीकों को अकेले विकसित करने से कहीं अधिक, एकीकरण केंद्र बनने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों के सदस्यों के प्रयास ऐसे होने चाहिए कि प्रत्येक अपने क्षेत्र में विशिष्ट स्थान बनाए।'' उन्होंने कहा, ''एक ही समय में बहुत सी चीजों में हाथ आजमाने की प्रवृत्ति होती है। इससे निश्चित तौर पर आपका ध्यान भटक जाता है, आप इस बात पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते कि किस दिशा में जाना है।'' उन्होंने अपनी बात को पुष्ट करने के लिए एयरो इंजन तकनीक का उदाहरण दिया।

एयर मार्शल तिवारी ने कहा, ''हालांकि सरकार इसमें बड़ी भूमिका निभाएगी, शायद डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) भी इसमें शामिल हो, लेकिन इसमें निजी क्षेत्र के लिए भी पर्याप्त संसाधन होंगे और घटकों के स्तर पर भी, चाहे वह पंप हों, दहन कक्ष हों, ईंधन इंजेक्टर हों, इनमें से बहुत सी चीजें बिल्कुल नए सिरे से विकसित की जा सकती हैं।'' उन्होंने कहा कि यूरोप में, वे बहुत ही विशिष्ट उपकरण बनाते हैं, लेकिन वे इतने अच्छे होते हैं कि प्रमुख एयरोस्पेस कंपनियों को भी अपनी आवश्यकताओं के लिए उनकी जरूरत होती है।

छत्तीसगढ़ के शहरों के विकास के लिए 'मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना' लागू

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के शहरों में विकास कार्यों के लिए राज्य सरकार ने इस वर्ष 'मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना' शुरू की है और पहले चरण में यह योजना राज्य के सभी नगर निगमों में लागू की गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना तैयार करने के लिए बड़ी परियोजनाएं स्वीकृत की जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की मंजूरी के बाद अब तक 13 नगर निगमों में 26 कार्यों के लिए 429.45 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं इनमें 'मरीन ड्राइव' विस्तार, बहुउद्देश्यीय खेल परिसर, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, अत्याधुनिक बस स्टैंड, सभागार, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान विकास, जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण, कॉरीडोर निर्माण, गौरव पथ निर्माण, सड़क बाइपास और चौड़ीकरण जैसे बड़े कार्य शामिल हैं। वित्त वर्ष 202526 में योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है और स्वीकृत कार्यों में से पांच कार्यों के लिए संबंधित फर्मों को कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं, जबकि पांच कार्यों का भूमिपूजन भी किया जा चुका है।

अशोधित सीवेज, अधूरे संयंत्र और परियोजना में विलंब यमुना में प्रदूषण के बड़े कारण : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी लगातार प्रदूषित रहने की मुख्य वजह अशोधित सीवेज का प्रवाह, कई औद्योगिक क्षेत्रों में प्रवाह शोधन संयंत्र (ईटीपी) का अभाव, परियोजनाओं में देरी और ठोस कचरा प्रसंस्करण क्षमता में कमी है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि अगस्त 2025 तक दिल्ली में 414 एमएलडी का सीवेज उपचार अंतर बना हुआ था। उन्होंने कहा कि कई स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों में साझा ईटीपी उपलब्ध नहीं हैं और सीवेज उपचार परियोजनाओं को पूरा करने तथा उन्नयन में देरी का सिलसिला जारी है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन 11,862 टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि उसकी प्रसंस्करण क्षमता केवल 7,641 टन प्रतिदिन है, जिससे 4,221 टन का अंतर रह जाता है। उन्होंने बताया कि यमुना नदी दिल्ली में पल्ला के पास प्रवेश करती है, जहां पानी की उपलब्धता और जल ग्रहण क्षेत्र से प्रवाह के आधार पर वर्ष भर जल गुणवत्ता में उतार-चढ़ाव होता है। मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) राज्यों को वित्तीय सहायता के माध्यम से सहयोग कर रहा है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत यमुना पुनर्जीवन के लिए 6,534 करोड़ रुपए की 35 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनसे 2,243 एमएलडी की सीवेज उपचार क्षमता विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इनमें से 21 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

सीबीआई ने 36 साल पुराने रुबैया सईद के अपहरण मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) आतंकवादियों द्वारा आठ दिसंबर, 1989 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के सिलसिले में सीबीआई ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति इश्बर निशात का निवासी है और एजेंसी ने उसे 36 साल पहले हुए अपराध में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया है।

रुबैया सईद को उनके अपहरण के पांच दिन बाद ही रिहा कर दिया गया था, जब तत्कालीन भाजपा समर्थित वी.पी. सिंह सरकार ने बदले में पांच आतंकवादियों को रिहा कर दिया था। सईद अब तमिलनाडु में रहती हैं। वह सीबीआई की अभियोजन पक्ष की गवाह हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले को अपने हाथ में लिया था।

एफसीआरए मामले में महाराष्ट्र के ट्रस्ट, यमनी नागरिक के खिलाफ ईडी ने की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र स्थित एक ट्रस्ट के खिलाफ एफसीआरए 'उल्लंघन' मामले में सोमवार को कई स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक जामिया इस्लामिया इस्हातुल उलूम (जेआईआईयू) और एक यमनी नागरिक अल-खदामी खालिद इब्राहिम सालेह के अलावा कुछ अन्य के मामले में नंदुरबार जिले और मुंबई में स्थित परिसरों पर छापे मारे गए।

ईडी की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। यह जांच नंदुरबार पुलिस (अक्कलकुवा पुलिस थाना) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी और उसके बाद इस साल अप्रैल में आरोपियों के खिलाफ दायर आरोपपत्र से शुरू हुई है। अधिकारियों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिनांक 15.07.2024 के अपने आदेश के जरिए जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम ट्रस्ट के विदेशी चंदा विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। यह पाया गया कि जामिया इस्मालिया इस्हातुल उलूम ट्रस्ट अन्य गैर-एफसीआरए पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को विदेशी योगदान निधि देने में शामिल है।

प्रियंका का प्रधानमंत्री पर कटाक्ष: दिल्ली के लोग किस मौसम का मजा लें

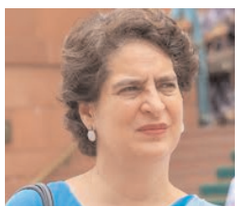

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को नरेन्द्र मोदी की ''मौसम का मजा लीजिये'' वाली टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर दिल्ली के लोग किस मौसम का मजा लें। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी ऐसे समय की, जब भारत के कई हिस्सों में सर्दी शुरू हो गई है, लेकिन कांग्रेस ने इसे कई शहरों खासकर दिल्ली में वायु प्रदूषण से जोड़ा। मोदी ने सोमवार को शुरू हुए शीतकालीन सत्र से पहले पारंपरिक रूप से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''आप लोग भी मौसम का मजा लीजिए। राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर के अधिकांश दिनों में हवा की गुणवत्ता ''बहुत खराब'' या ''गंभीर'' श्रेणी में बनी रही। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि मौसम का मजा लीजिए। सवाल है कि दिल्ली के लोग किस मौसम का मजा लें, वो खुद बाहर झांककर देखें कि क्या हाल है।'' उन्होंने सवाल किया कि सरकार किसी भी चीज पर चर्चा नहीं करना चाहती, तो सदन कैसे चलेगा? प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार को कम से कम चुनाव सुधारों पर चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए।

अदाणी समूह में एलआईसी का निवेश स्थापित प्रक्रियाओं के अनुरूप: वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश जारी नहीं करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार के स्वामित्व वाली बीमा कंपनी ने अदाणी समूह में जो निवेश किया, वह स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार था।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत प्रयास के आधार पर कंपनियों में निवेश संबंधी निर्णय लिए हैं तथा उसने एसओपी के आधार पर अदाणी समूह की आधा दर्जन सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर खरीदे हैं, जिनकी कीमत 38,658.85 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा, ''वित्त मंत्रालय एलआईसी फंड के निवेश से संबंधित मामलों के संबंध में एलआईसी को कोई सलाह/निर्देश जारी नहीं करता है।'' सीतारमण ने कहा, ऐसे फैसले बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के साथ-साथ भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों द्वारा शासित होते हैं। इसी साल अक्टूबर में अमेरिकी समाचार पत्र 'वाशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस साल की शुरुआत में एलआईसी को अदाणी समूह में निवेश करने के लिए प्रेरित करने की योजना बनाई थी। सीतारमण ने कहा, एलआईसी ने अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए उचित प्रयास करने के बाद मई 2025 में अदानी पोर्ट्स स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) द्वारा जारी सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है।''

उन्होंने कहा कि एलआईसी ने एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध शीर्ष 500 कंपनियों में निवेश किया है और वर्तमान में इसके निवेश का एक बड़ा हिस्सा इनमें से बड़ी कंपनियों में है।

गढ़चिरौली के चपराला जंगल में दुर्लभ धारीदार 'ग्रासबर्ड' देखा गया

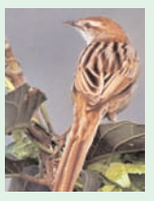

गढ़चिरौली/भाषा। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के चपराला वन्यजीव अभयारण्य में सर्वेक्षण के दौरान एक दुर्लभ धारीदार 'ग्रासबर्ड' नामक पछी की उपस्थिति दर्ज की गई। वन विभाग ने यह जानकारी दी। यह खोज अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रजाति पूर्वी महाराष्ट्र में अत्यंत दुर्लभ है।

उप-वन अधिकारी (डीएफओ) मंगेश बालापुरे ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इससे पहले महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा पर जलगांव जिले में तापी नदी बेसिन में केवल एक बार धारीदार 'ग्रासबर्ड' के होने की सूचना मिली थी। नागरिक विज्ञान पहल के तहत 29-30 नवंबर को चपराला वन्यजीव अभयारण्य में किए गए पक्षी सर्वेक्षण के दौरान प्राणहिता नदी के किनारे लंबी घास वाले वास में दो धारीदार 'ग्रासबर्ड' देखे गए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्रीय संग्रहालय नागपुर के तत्कालीन क्यूरेटर ई.ए. डी'अब्रू ने 1923 में तत्कालीन मध्य प्रांत और बरार (अब मध्य प्रदेश और विदर्भ) में धारीदार 'ग्रासबर्ड' देखे जाने का उल्लेख किया था। वर्ष 1923 के बाद से इस पक्षी को इस क्षेत्र में बहुत कम देखा गया था, जिससे यह एक महत्वपूर्ण खोज बन गई। सर्वेक्षण में नदी पर आश्रित संकटग्रस्त प्रजातियों (आईयूसीएन के अनुसार) की काफी संख्या का दस्तावेजीकरण किया गया।

सात-आठ वरिष्ठ विधायक और मंत्री मुख्यमंत्री पद की दौड़ में, प्रशासन ध्वस्त : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के भीतर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच राज्य की प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कम से कम सात से आठ वरिष्ठ विधायक और मंत्री राज्य में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं।

विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर मुख्यमंत्री पद के लिए जारी अंदरूनी संघर्ष के बीच संकटग्रस्त किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष आठ दिसंबर से बेलगावी में शुरू हो रहे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान किसानों के कल्याण और उत्तर कर्नाटक से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए दबाव बनाएगा तथा प्रशासन से जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करेगा।

विजयेंद्र ने सिरसी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन तेज होती जा रही है। मेरे पास मौजूद जानकारी के अनुसार, सत्तारूढ़ पार्टी के कम से कम सात से आठ वरिष्ठ विधायक और मंत्री किसी तरह मुख्यमंत्री बनने की कोशिशों में जुटे हैं।

इसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। यह पूछे जाने पर कि अगर कांग्रेस का कोई गुट आगे आकर भाजपा के साथ सरकार बनाने की पेशकश करे, तो क्या पार्टी इसके लिए तैयार होगी। इसके जवाब में विजयेंद्र ने कहा, राज्य के मतदाताओं ने कांग्रेस को स्पष्ट जनादेश दिया है और भाजपा को विपक्ष में बैठाया है। भाजपा एक प्रभावी विपक्ष के रूप में काम करेगी और पार्टी का सरकार बनाने का कोई इरादा नहीं है।

सिद्दरामय्या सरकार पर सत्ता में आने के बाद से ही किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए विजयेंद्र ने कहा, जब केंद्र सरकार ने पीएम-किसान योजना शुरू की थी, तब कर्नाटक में बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने किसानों को अतिरिक्त 4,000 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन अब इसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, जब बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने रैयत विद्या निधि योजना (किसानों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना) शुरू की थी, लेकिन उसे भी बंद कर दिया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार बारिश और बाढ़ के कारण संकट में फंसे किसानों की मदद के लिए आगे नहीं आ पा रही है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, किसी भी मंत्री ने प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं किया है और न ही किसानों से मुलाकात की है। कुल मिलाकर, सरकार किसानों के हितों को पूरी तरह से भूल चुकी है। मुख्यमंत्री पद के लिए सत्तारूढ़ दल में चल रही अंदरूनी लड़ाई के बीच प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

विजयेंद्र ने बताया कि उन्होंने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की कार्ययोजना के सिलसिले में विपक्ष के नेता, पार्टी सदस्यों और गठबंधन सहयोगी जद (एस) के अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी के साथ विचार-विमर्श किया है। उन्होंने कहा, उत्तर कर्नाटक से जुड़े मुद्दों को आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है और बेलगावी में सिर्फ खानापूर्ति के लिए शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन इन पर चर्चा की जाती है। विजयेंद्र ने कहा, लेकिन इस बार विपक्षी दलों ने शुरुआती तीन-चार दिनों में ही उत्तर कर्नाटक, किसानों और सिंचाई से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए दबाव बनाने का फैसला लिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर कर्नाटक में केंद्र की योजनाओं को ठीक से लागू न करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केंद्र की योजनाओं के लिए धन जारी करवाने के वास्ते राज्य सरकार को प्रगति रिपोर्ट पेश करनी होगी। विजयेंद्र ने कहा, ऐसा कुछ किए बिना, अगर वे कहते हैं कि केंद्र से धन नहीं मिल रहा है, तो यह सही नहीं है। अपनी नाकामियां छिपाने के लिए केंद्र पर दोष मढ़ना राज्य सरकार की आदत बन गई है।

सिद्दरामय्या, शिवकुमार ने सोनिया, राहुल के खिलाफ प्राथमिकी को लेकर भाजपा पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिल्ली पुलिस द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ''सियासी बदला'' लेने का आरोप लगाया।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने दिल्ली पुलिस के कदम को अनुचित करार दिया और कहा, उत्पीड़न की भी एक हद होती है। दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह प्राथमिकी एजेंसी की धन शोधन जांच का हिस्सा है। इस मामले में आरोप लगाया गया है कि गांधी परिवार ने निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। सिद्दरामय्या ने एक सवाल पर पत्रकारों से कहा, ऐसा राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। भाजपा सियासी बदला लेने की कोशिश कर रही है।

शिवकुमार ने केंद्र पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। शिवकुमार ने कहा, उन्हें परेशान करने की कोई जरूरत नहीं है। यह (नेशनल हेराल्ड) सोनिया गांधी या राहुल गांधी की संपत्ति नहीं है। वे पार्टी अध्यक्ष के तौर पर शेयरों के संरक्षक मात्र थे...जवाहरलाल नेहरू के समय से यह वहां है। यह उनकी निजी संपत्ति नहीं है, वे पहले ही घोषित कर चुके हैं। यंग इंडिया या नेशनल हेराल्ड एक राजनीतिक पार्टी से संबंधित है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि गांधी परिवार कांग्रेस पार्टी का संरक्षक है। उन्होंने कहा, वोरा जी (मोतीलाल वोरा) और अहमद पटेल जी के समय में कांग्रेस पार्टी के हितों की रक्षा के लिए निर्णय लिए गए। केसरी जी (सीताराम केसरी) के समय जब पार्टी खत्म हो रही थी, तब हम सभी ने मैडम (सोनिया गांधी) से (कांग्रेस की) जिम्मेदारी संभालने की विनती की थी। उनके नेतृत्व में हमने 10 साल तक इस देश पर शासन किया, जिसमें एक अर्थशास्त्री (मनमोहन सिंह) प्रधानमंत्री थे। कांग्रेस पार्टी आगे बढ़ रही है। मामले को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ईर्ष्या के कारण ऐसा किया जा रहा। राहुल गांधी ऐसी बातों की कभी परवाह नहीं करते। अगर उन्हें जेल भी भेज दें तो उन्हें कोई परवाह नहीं होगी।

उन्होंने कहा, यह ठीक नहीं है। मैं केंद्र सरकार से अपील करता हूं। इस प्रतिशोधी रवैये से कोई फ़ायदा नहीं होगा। यह सिर्फ़ आपके नैतिक मूल्यों को उजागर करेगा। सड़कों पर, जनता के बीच और चुनावों में राजनीतिक रूप से इसका सामना करें। परेशान करके, विभिन्न संस्थाओं का दुरुपयोग करके नहीं।

बैठक

बेंगलूरु में मुख्यमंत्री के 'कावेरी' निवास पर खाद्य विभाग के मुद्दों को लेकर एक बैठक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व में हुई। खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री केएच मुनिप्पा और विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बैठक में भाग लिया।

रिपोर्ट

चामराजनगर जिला अस्पताल में हुई मौतों और चोटों की जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अगुवाई वाली कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सोमवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को उनके 'कावेरी' निवास पर सौंपी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के कानून सलाहकार पोन्नन्ना और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नसीर अहमद मौजूद थे।

धारवाड़ में रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती शुरू करने की मांग को लेकर युवाओं का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़। कर्नाटक के कई बेरोजगार युवाओं ने सोमवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से विभिन्न विभागों में रिक्त सरकारी पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की।

जनसमन्यारा वेदिके और उद्योगकांक्षीगला होराता समिति द्वारा इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अभ्यर्थियों ने श्रीनगर सर्कल से जिला आयुक्त कार्यालय तक मार्च निकालने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस ने हस्तक्षेप करने के बाद प्रदर्शन में शामिल कई छात्रों को हिरासत में ले लिया।

शहर के विभिन्न हिस्सों से श्रीनगर क्षेत्र में एकत्र हुए छात्रों ने यहां सरकार विरोधी नारे लगाए। उन्होंने सरकार से राज्य

विधानमंडल के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए एक स्पष्ट नीति की घोषणा करने का आग्रह किया। हालांकि पुलिस ने यातायात प्रभावित होने और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, फिर भी समूह ने अपनी योजना के अनुसार प्रदर्शन जारी रखा।

कुमारस्वामी ने पाठ्यक्रम में भगवद् गीता को शामिल करने का मुद्दा उठाने का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आश्वासन दिया है कि वह स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल करने के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ चर्चा करेंगे। कुमारस्वामी के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, जनता दल (एस) नेता ने यह टिप्पणी रविवार को यहां श्री भगवद गीता अभियान कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के एस ईश्वरप्पा के उस अनुरोध के जवाब में की, जिसमें उन्होंने कहा था कि भगवद गीता को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

कुमारस्वामी के अनुसार, भगवद गीता को केवल विद्यालयों

और कॉलेज में ही नहीं, बल्कि शिक्षा के सभी स्तरों पर पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे आवश्यक कार्रवाई के लिए इस मामले को केंद्र के ध्यान में लाएंगे। कुमारस्वामी ने अपने संबोधन के दौरान, यह भी सुझाव दिया कि रामायण और महाभारत को स्कूली स्तर पर पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन आदर्शों की नींव और भारत की पहचान के प्रतीक इन महाकाव्यों को पढ़ाना समाज का मार्गदर्शन करने और हिंसा व अशांति को समाप्त करने के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में उडुप्पी में एक कार्यक्रम में भगवद गीता का पाठ किए जाने का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसके जरिए उन्होंने हमारे धर्म और विरासत की रक्षा का स्पष्ट संदेश दिया। यह हम सभी के लिए एक सीख है।

उन्होंने कहा, ''बचपन में घर पर बड़े-बुजुर्ग हमें रामायण और महाभारत की कहानियां सुनाया करते थे। इसी तरह, विद्यालयों में भी शिक्षक हमें ये कहानियां सुनाया करते थे। हालांकि, अब ऐसी अच्छी परंपरा गायब है। सुबह-सुबह न्यूज़ चैनल चालू करने पर सिर्फ बुरी खबरें ही आती हैं। इसलिए, बच्चों को बचपन से ही भगवद गीता पढ़ाई जानी चाहिए। इसके अलावा, रामायण और महाभारत भी पढ़ाई जानी चाहिए।''

उम्मीद है कि सभापति राज्यसभा में संवैधानिक परंपराओं को कायम रखेंगे : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

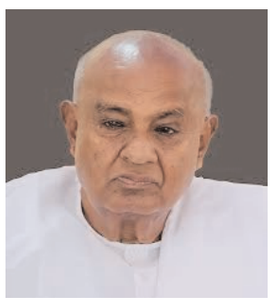

नई दिल्ली/बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा ने सोमवार को उम्मीद जतायी कि राज्यसभा के नये सभापति सी. पी. राधाकृष्णन अपने व्यापक अनुभव के साथ उच्च सदन में निर्बाध रूप से संवैधानिक परंपराओं को कायम रखेंगे। उन्होंने सदन के सुचारू संचालन के लिए सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के सदस्यों से सभापति के साथ सहयोग करने की अपील की। देवेगौड़ा ने आज राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ राधाकृष्णन को पहली बार सभापति के रूप में उच्च सदन का संचालन करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, हम इस सदन के सुचारू संचालन के लिए आपके मार्गदर्शन की प्रतीक्षा करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि संविधान निर्माताओं ने उच्च सदन को गंभीर बहस और विधायी समीक्षा का ऐसा मंच माना था जहां उच्च बुद्धिमत्ता झलकती हो। उन्होंने कहा, डॉ. आंबेडकर स्वयं इस सदन के सदस्य थे और उन्होंने इस सदन में कई बार उत्साह और कुछ बार निराशा के साथ इस बात का उल्लेख किया था कि हमारा स्वयं का व्यवहार कैसा होता है और हम संविधान को लेकर कैसा बर्ताव करते हैं...मुझे विश्वास है कि आपके व्यापक अनुभव से इस सदन में सच्ची बहस और संवैधानिक परंपराओं का निर्बाध रूप से पालन होगा। उन्होंने ध्यान दिलाया कि सभापति असीम धैर्य, चुपचाप सीखने और स्वाभाविक संतुलन बनाने के गुण रखने वाले व्यक्ति हैं।

देवेगौड़ा ने जोर देकर कहा कि सभापति की इस बात को लेकर ख्याति है कि वह सभी पक्षों को और सभी की राय को साथ में लेकर चलते हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि सदन का संचालन करते हुए सभापति की यह ख्याति और बढ़ेगी। जद(एस) नेता ने कृषि समुदाय के प्रति सभापति के गहरे सरोकार की सराहना की और नदी जोड़ने की आवश्यकता के पक्ष में उनकी भूमिका को भी याद किया।

बेंगलूरु कैंट और बीदर के बीच स्पेशल ट्रेन 24 को

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने क्रिसमस सीजन में यात्रियों की एक्स्ट्रा भीड़ को कम करने के लिए बेंगलूरु कैंट और बीदर के बीच एक ट्रिप स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाएगा। ट्रेन नंबर 06291 बेंगलूरु कैंट-बीदर एक्सप्रेस स्पेशल बुधवार 24 दिसम्बर को को रात 9:15 बजे बेंगलूरु कैंट से निकलेगी और अगले दिन सुबह 11:30 बजे बीदर पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन नंबर 06292 बीदर-बेंगलूरु कैंट एक्सप्रेस स्पेशल गुरुवार 25 दिसम्बर को दोपहर 1:00 बजे बीदर से निकलेगी और अगले दिन सुबह 4:00 बजे बेंगलूरु कैंट पहुंचेगी। रास्ते में, स्पेशल ट्रेन यलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अडोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर, वाडी, शाहाबाद, कलबुर्गी और हुमनाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। यह स्पेशल ट्रेन 22 कोच के साथ चलेगी, जिसमें 2 टियर एसी के एक, 3टियर एसी के 2, स्लीपर क्लास के 11, छह जनरल सेकंड क्लास और दो एसएलआर/डी कोच होंगे।

एयर मार्शल समीर जयसिन्हा पेंडसे ने पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी (एसएएसओ),के रूप में एयर मार्शल समीर जयसिंह पेंडसे ने 1 दिसम्बर को पदभार ग्रहण किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, एयर मार्शल को 16 दिसंबर 1989 को भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग (पायलट) शाखा में हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में कमीशन मिला था। अपने 36 वर्षों से अधिक के करियर में, उन्होंने 5100 घंटे से अधिक दुर्घटना-मुक्त उड़ानें भरी हैं।

अपने शानदार सेवाकाल के दौरान, एयर मार्शल ने कई कमांड और स्टाफ कार्यभार संभाले हैं। इनमें एक अग्रिम मुख्यालय, दो भारतीय वायुसेना बेस और एक अग्रिम पंक्ति हेलीकॉप्टर इकाई की कमान शामिल है।

वह सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन का भी हिस्सा रहे हैं। वह राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय

(एनडीसी) - ढाका, बांग्लादेश से स्नातक हैं। वर्तमान पदभार ग्रहण करने से पहले, एयर मार्शल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक (वायु) थे, जहाँ वे गृह मंत्रालय के वायु विंग की विमानन शाखा के लिए ज़िम्मेदार थे। उन्हें भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 1997 में वायु सेना पदक (वीरता) और 2015 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय विकास एवं जनहित कार्य है प्राथमिकता : विधायक मंजुला लिम्बावली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेलन्दूर ग्राम में विभिन्न विकास कार्यों सीमेंट सड़क, डामर सड़क एवं सीवरेज कार्य का सोमवार को लोकार्पण महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की विधायक मंजुला अरविंद लिम्बावली व अन्य अधिकारियों ने किया। इस मौके पर विधायक मंजुला ने कहा कि क्षेत्रीय विकास एवं जनहित के विकास कार्य सदैव मेरी प्राथमिकता है और रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अपने निर्वाचन क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य कराना एवं ग्रामीणों को बेहतर सड़क निर्माण के साथ स्वच्छ महादेवपुरा का निर्माण करना है। साथ ही उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि गुणवत्तापूर्ण सड़कें व अच्छी सीवरेज व्यवस्था आमजन को प्रदानकर स्वच्छता को प्राथमिकता दें।

लोकसभा ने आईआईएससी-बेंगलूरु के लिए दो सांसदों को नामित करने का संकल्प पारित किया

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को सरकार द्वारा पेश उस संकल्प को मंजूरी दी जिसमें भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)-बेंगलूरु की परिषद के लिए सदन के दो सदस्यों को मनोनीत करने का प्रावधान शामिल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विज्ञान की शिक्षा प्रदान करने वाले प्रतिष्ठित संस्थान आईआईएससी की परिषद में लोकसभा के दो सदस्यों को मनोनीत करने की मांग करते हुए संकल्प पेश किया। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच प्रधान ने संकल्प पेश किया जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया।

जयपुर वैक्स म्यूज़ियम में लगेगी हरमनप्रीत कौर की स्टैच्यू

जयपुर। जयपुर वैक्स म्यूजियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के वैक्स स्टैच्यू को बनाने का काम शुरू हो गया है। हरमनप्रीत दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर होंगी, जिनका अपना वैक्स स्टैच्यू होगा। यह उपलब्धि क्रिकेट जगत में उनके असाधारण प्रभाव को दर्शाती है। म्यूजियम से जुड़ी एक टीम ने हाल ही में वनडे विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत से मुलाकात की, ताकि उनके शरीर का सही माप लिया जा सके। इसके लिए टीम ने हाई-क्वालिटी तस्वीरें और वीडियो शूट किए, जो स्टैच्यू बनाने के लिए जरूरी रेफरेंस का काम करेंगे। म्यूजियम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि डिटेल्ड सेशन के दौरान हरमनप्रीत बहुत विनम्र नजर आईं, उन्होंने इसके लिए टीम का सहयोग किया। हरमनप्रीत ने वैक्स फिगर बनाने के स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस को समझने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। इस दौरान भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान ने म्यूजियम के खास आकर्षणों में से एक 'शीश महल' की भी तारीफ की।

म्यूजियम के क्यूरेटर और फाउंडर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि हरमनप्रीत इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित थीं। उन्होंने इसके लिए जयपुर वैक्स म्यूजियम का शुक्रिया अदा किया है। 300 साल पुरानी हेरिटेज साइट में बना जयपुर वैक्स म्यूजियम एक अनोखा सांस्कृतिक आकर्षण बना हुआ है, जिसमें इतिहास, कला और राष्ट्रीय गौरव का मेल है। श्रीवास्तव ने बताया कि जयपुर वैक्स म्यूजियम बॉलीवुड सेलेब्रिटीज पर ज्यादा फोकस करने के बजाय, समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले आइकॉन के स्टैच्यू बनाने की अनोखी पॉलिसी को फॉलो करता है।

एकादशी

बीकानेर में सोमवार को एक मंदिर में 'मोक्षदा एकादशी' त्योहार पर पूजा करने के लिए भक्त इकट्ठा हुए।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025

बीकानेर से कोलकाता-गंगासागर के लिए विशेष रेलगाड़ी आज होगी रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के अंतर्गत बीकानेर से कोलकाता-गंगासागर के लिए विशेष रेलगाड़ी 2 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 1 बजे बीकानेर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह विशेष यात्रा बीकानेर, जयपुर और भरतपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रियों को पुण्यस्थल दर्शन का अवसर उपलब्ध कराएगी। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि ट्रेन में बीकानेर से 600, जयपुर जंक्शन से 240 तथा भरतपुर रेलवे स्टेशन से 130 यात्री शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 970 तीर्थ यात्री यात्रा पर प्रस्थान करेंगे। सभी चयनित यात्रियों को समय पर संबंधित रेलवे स्टेशनों पर पहुँचने के निर्देश जारी किए गए हैं ताकि आवश्यक प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके।

उन्होंने बताया कि सहायक आयुक्त, बीकानेर के अधीन बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिलों के यात्रियों को प्रातः 7 बजे बीकानेर रेलवे स्टेशन पर रिपोर्ट करना होगा। सहायक आयुक्त जयपुर-प्रथम के अधीन जयपुर जिले के यात्रियों को दोपहर 1 बजे जयपुर जंक्शन पर तथा सहायक आयुक्त, भरतपुर के अधीन भरतपुर एवं डीग जिले के यात्रियों को दोपहर 3 बजे भरतपुर रेलवे स्टेशन पर रिपोर्ट करना निर्धारित किया गया है। यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। ट्रेन में एक ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में दो सरकारी कर्मचारी अनुदेशक के रूप में तथा चिकित्सा सुविधा हेतु एक डॉक्टर और दो नर्सिंग अधिकारी नियुक्त रहेंगे, जो पूरे यात्रा काल में यात्रियों के स्वास्थ्य एवं देखभाल का जिम्मा संभालेंगे।

सहायक आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2025-26 के चयनित तीर्थ यात्रियों को दूरभाष एवं संदेश के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। यात्रियों को अपने साथ ऑनलाइन भरे गए आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी, प्रमाणित चिकित्सीय प्रमाण-पत्र, मूल आधार, जनाधार कार्ड तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा।

साथ ही व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री, नियमित दवाइयाँ, कपड़े एवं आवश्यक नकदी भी साथ रखने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग द्वारा 7 दिन की पूरी यात्रा अवधि के दौरान यात्रियों के आवास, भोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। अतः यह संपूर्ण तीर्थ यात्रा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को यह अत्यंत सुविधाजनक एवं सुरक्षित अवसर उपलब्ध करवाना एक सराहनीय पहल है।

सुप्रीम कोर्ट में धारीवाल की याचिका खारिज, एकल पट्टा मामले में गिरफ्तारी पर लगी रोक बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट से आज बहुचर्चित एकल पट्टा मामले में बड़ी खबर आई है। पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को राहत देते हुए नहीं, बल्कि राहत की स्थिति को बरकरार रखते हुए अदालत ने उनकी विशेष अनुमति याचिका यानी ड्डझ को सुनने से इनकार कर दिया है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की खंडपीठ ने साफ कर दिया कि एसीबी कोर्ट, जयपुर में लंबित प्रोटेस्ट पिटीशनों के निपटारे तक धारीवाल के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई या गिरफ्तारी नहीं की जाएगी।

हालांकि, जांच अपने पूरे ढांचे के साथ जारी रहेगी। धारीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल मौजूद रहे, जबकि राज्य सरकार की पैरवी अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने की। इंटरवीनर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कुंवर सुल्तान सिंह और

उनके साथ एडवोकेट अजीत कुमार शर्मा व आदित्य विक्रम सिंह भी पेश हुए। अब मामला पूरी तरह ट्रायल कोर्ट में जाएगा, जहां क्लोजर रिपोर्टपुरानी हो या नईदोनों पर सुनवाई होगी।

हाई कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि राज्य सरकार चाहे तो और जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकती है और क्लोजर रिपोर्ट वापस लेने के आवेदन पर भी ट्रायल कोर्ट ही फैसला करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी ढांचे को मंजूरी देते हुए धारीवाल की याचिका खारिज कर दी है, जिससे साफ है कि अब जांच प्रक्रिया बिना किसी अड़चन के चलेगी और भ्रष्टाचार का पूरा मामला केवल कानूनी मापदंडों के आधार पर आगे बढ़ेगा। पूरे मामले की जड़ 29 जून 2011 में जारी उस पट्टे से जुड़ी है, जो जयपुर विकास प्राधिकरण ने गणपति कंस्ट्रक्शन के मालिक शैलेन्द्र गर्ग के नाम जारी किया था। आरोप यह है कि पहले की अस्वीकृत फाइलों की जानकारी जुटाए बिना नया पट्टा जारी किया गया और इसी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। 2013 में परिवादी रामशरण सिंह ने एसीबी में शिकायत दी थी।

मामला तूल पकड़ते ही तत्कालीन गहलोत सरकार ने यह पट्टा रद्द कर दिया और एसीबी ने जांच आगे बढ़ाते हुए तत्कालीन एसीएस जीएस संधू समेत छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया। इसी सिलसिले में तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ भी जांच लंबित है। सुप्रीम कोर्ट का ताज़ा आदेश यहीं स्पष्ट करता है कि गिरफ्तारी पर लगी रोक फिलहाल जारी रहेगी, लेकिन कानूनी प्रक्रिया अपनी धार के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य सरकार कर रही प्रभावी कार्य : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रभावी कार्य कर रही है। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में समय-समय पर सड़क सुरक्षा अभियान भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और मृत्यु दर को कम करने, यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करने, सड़क उपयोगकर्ताओं में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने, प्रदेश में सड़क अधोसंरचना एवं आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्य सचिव श्रीनिवास सोमवार को शासन सचिवालय में डब्ल्यू.एच.ओ तथा एम्स के प्रतिनिधियों के साथ सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर कम करने के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से आपातकालीन स्थिति में घायलों को त्वरित इलाज मुहैया करवाने, एम्बुलेंस के रेस्पांस टाइम को और कम करने, इमरजेंसी केयर सिस्टम को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य योजना तैयार करने को कहा।

डब्ल्यू.एच.ओ में नेशनल प्रोफेशनल ऑफिसर डॉ. बी मोहम्मद अशील ने बताया कि एम्स व डब्लयू.एच.ओ की सहभागिता से प्रदेश में ट्रोमा केयर के लिए एकेडमिक प्रोग्राम भी चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि झझचेम्पियन्स ऑफ चेंज ट्रेनिंग प्रोग्रामञ के माध्यम से ट्रोमा केयर सिस्टम को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही, विभिन्न जिलों के मेडिकल कॉलेज तथा अस्पतालों में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ प्रशासक आदि को ट्रोमा केयर के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डब्ल्यू.एच.ओ तथा एम्स की सहभागिता से प्रदेश के ट्रोमा केयर सर्विस को और अधिक त्वरित व प्रभावी बनाने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, श्रीमती गायत्री ए. राठौड, शासन सचिव, परिवहन विभाग, श्रीमती शुचि त्यागी, परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा सहित डब्लयू.एच.ओ व एम्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रत्येक पीड़ित मानव की सहायता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग में 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक 15 दिवसीय शीतकालीन इन्टर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इंटर्नशिप में राजस्थान सहित अन्य राज्यों के 15 विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के कुल 48 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य अशोक कुमार गुप्ता ने सोमवार को कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हैं। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि प्रत्येक पीड़ित मानव की सहायता सुनिश्चित हो। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का पूर्ण लाभ उठाकर समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

पुलिस महानिरीक्षक हिंगलाजदान ने कहा कि किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मानवाधिकारों का सर्वोच्च स्थान होता है। सभी नागरिकों को समान अवसर उपलब्ध कराना और उनके मानवाधिकारों की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। उल्लेखनीय है कि इस इन्टर्नशिप कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 50 विषय विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है जो विभिन्न शिक्षण-संस्थाओं, न्यायिक सेवा, गैर सरकारी संगठन, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाओं व अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे फोरेंसिक साईंस लेबोरेट्री व यूनिसेफ से जुड़े हैं।

इसके अतिरिक्त वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किये गए हैं। विशेषज्ञों द्वारा महिला-बच्चों व अन्य कमजोर वर्ग, कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन, लैंगिक समानता, कारागृह प्रशासन व गुड गवर्नेंस, आर.टी.आई., फॉरेंसिक साईंस और क्रिमिनल जस्टिस, इन्टलेक्चुअल प्रोपर्टी राईट्स, संवैधानिक नैतिकता, एलजीबीटीक्यू, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन, अम्बेडकर दर्शन, एंटीडोपिंग और विशेषकर वर्तमान समय की प्रासंगिकता को देखते हुए साईबर क्राईम और आर्टीफिशल इंटेलीजेंस जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए जायेगे।

इस दौरान रजिस्ट्रार संजय कुमार, उप सचिव प्रगति आसोपा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं कार्यक्रम कोर्डिनेटर डॉ. संध्या यादव, उपनिरीक्षक ओमप्रकाश, सहायक उपनिरीक्षक भोजराज, रीडर सुरेश कुमार व निजी सहायक गिरवर सिंह सहित समस्त प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री ने महिला की हथेली पर लिखकर दिया गोशाला की जमीन की सुरक्षा का आश्वासन

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को जनसुनवाई के दौरान एक महिला को आश्वस्त किया कि गोशाला की जमीन पर किसी भी प्रकार का कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने यह आश्वासन महिला की हथेली पर पेन से लिखकर दिया तथा उस पर अपने हस्ताक्षर भी किए। यह रोचक घटनाक्रम सोमवार को जयपुर हवाई अड्डे के पास स्थित एक चाय की थड़ी का है, जहां मीणा जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान दौसा जिले के सिकराय की निवासी एक महिला ने मंत्री के सामने गोशाला की जमीन पर कब्जा होने की शिकायत रखी। शिकायत सुनने के बाद मीणा ने महिला की हथेली पर लिखा-कोई भी गोशाला के कार्य को नहीं रोकेगा और नीचे हस्ताक्षर कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। मीणा ने जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकांश शिकायतें बिजली व पेयजल आपूर्ति से संबंधित थीं, जिन पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

गीता मानव जीवन का मार्गदर्शक ग्रंथ : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में गीता के संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जीवन में चुनौतियाँ आना स्वाभाविक है, परन्तु मनुष्य को साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गीता का योग, कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग मनुष्य को मानसिक शांति, आत्मविश्वास और संतुलन प्रदान करते हैं। व्यवसाय, शिक्षा, राजनीति, परिवारहर क्षेत्र में गीता की शिक्षाएँ उपयोगी हैं।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर स्थित निवास पर गीता जयंती के मौके पर संतो का सम्मान किया। इस आयोजन में अजमेर शहर के मंदिरों के पुजारियों ने भाग लिया। देवनानी ने संतों को गीता की प्रति भेंट की। देवनानी ने संतों का सम्मान कर शुभाशीष लिया। सत्य और कर्तव्य के पथ पर चलें- देवनानी ने कहा कि गीता जयंती आत्मज्ञान और आत्मोत्थान का पर्व है।

यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम जीवन में सत्य और कर्तव्य के पथ पर चलें। श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना महाभारत के समय था। अपने जीवन को गीता की शिक्षाओं से आलोकित करें और एक श्रेष्ठ मानव बनें।

निष्काम कर्म की प्रेरणा- देवनानी ने कहा कि गीता, मानव जीवन का मार्गदर्शक ग्रंथ है। इसके 18 अध्याय और 700 श्लोक जीवन के प्रत्येक पहलू को समझाते हैंजैसे कर्तव्य, भक्ति, ज्ञान, योग, वैराग्य, संतुलन और आत्मबोध। गीता का मुख्य संदेश कर्म करो, फल की चिंता मत करो लोगों को निष्काम कर्म की प्रेरणा देता है। साथ ही, गीता जीवन में समभाव, धैर्य, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है।

दो वनरक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने उदयपुर जिले में सोमवार को दो वनरक्षकों को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीबी के अधिकारियों के अनुसार, उदयपुर जिले के कातरवास वन नाके पर तैनात वनरक्षक महेश कुमार मीणा और विजेश अहारी को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान में बताया गया कि परिवादी का ट्रक लकड़ी लेकर जा रहा था, जिसे वन विभाग के कर्मचारियों ने कातरवास नाके पर रोक लिया। आरोप है कि लकड़ी से भरी गाड़ी छोड़ने के एवज में वनरक्षकों ने रिश्वत की मांग की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'कार्यकर्ता सुनवाई' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में सोमवार से 'कार्यकर्ता सुनवाई' शुरू हो गई और पहले दिन उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। डॉ. बैरवा ने बताया कि हर सप्ताह तीन दिन दो मंत्री 'कार्यकर्ता सुनवाई' करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा, कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए यह ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

बैरवा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता गांव, ढाणी और शहरों में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं से रूबरू होता है और अब वे इन समस्याओं को सुनवाई में लाकर समाधान प्राप्त कर सकेंगे। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, पहले दिन सुनवाई में 30 से अधिक परिवाद प्राप्त हुए। कई मामलों में तुरंत संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर निस्तारण कराया गया, जबकि अन्य मामलों में विभागों को पत्र भेजकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल के अनुरूप कार्यकर्ताओं द्वारा लाई गई जनसमस्याओं का त्वरित और नियमसंगत समाधान किया जाएगा, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। ऊर्जा मंत्री नागर ने बताया कि भाजपा सरकार ऊर्जा क्षेत्र में बड़े लक्ष्य लेकर काम कर रही है, जिसके तहत कृषि उपभोक्ताओं को 1.5 लाख से अधिक बिजली कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 'स्मार्ट मीटर' तेजी से लगाए जा रहे हैं और उनकी निगरानी भी की जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को समय पर ऑनलाइन बिल उपलब्ध होगा और बिना कारण बिजली उपयोग रोकने जैसी अनियमितताओं पर नियंत्रण रहेगा।

'जीवन एक चुनौती है, कभी हार नहीं माननी चाहिए'

केआईएसएस का 5वां दीक्षांत समारोह हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़ (केआईएसएस) का 5वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार को हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात लोगों को मानद उपाधियां प्रदान की गईं। इस साल केआईएसएस ने सांसद भर्तृहरि महताब, पूर्व सांसद व संपादक सौम्य रंजन पटनायक, सीवाईएसडी के सह-संस्थापक जगदानंद को मानद उपाधियों से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में यूएई से केईएफ होल्डिंग्स के संस्थापक एवं अध्यक्ष फैजल एडावलाथ कोट्टिकोलन, यूके से मल्होत्रा ग्रुप पीएलसी एवं न्यूकैसल में मानद कोन्सुल जनरल जेएम मीनू' मल्होत्रा ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। मुख्य अतिथि ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. (डॉ.) गणेशी लाल ने केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत की सराहना की। उनके व्यक्तित्व को दिव्य बताया। ट्यूनीशिया की नोबेल पुरस्कार विजेता औइडेट बुचामाउई ने कहा कि डॉ. सामंत ने 'सिर्फ संस्था नहीं बनाई, बल्कि शांति का निर्माण भी किया है।' उन्होंने शिक्षा की शक्ति पर जोर देते हुए कहा, 'आपने यह दिखाया है कि शांति और स्थिरता का सबसे प्रभावशाली साधन शिक्षा है।' उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, 'जीवन एक चुनौती है। हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। जहां इच्छा है, वहां रास्ता है। अपने चारों ओर ऐसे लोगों को रखें, जो आपको प्रेरित करें। हर अवसर को अपनाएं। निडर बनें, दयालु बनें, जिज्ञासु और साहसी बनें।' सम्मान प्राप्त करते हुए, महताब ने केआईएसएस को 'वास्तव में विशेष' संस्था बताया और कहा कि विद्यार्थी ओडिशा की शक्ति के सच्चे प्रतिनिधि हैं। 'यहां की मासूमियत और खुशियां स्वाभाविक हैं। केआईएसएस मासूम कलियों को लेकर उन्हें खिलाता है। मैं, डॉ. अच्युत सामंत का धन्यवाद करता हूं कि वे मासूम दिमागों को यहां लेकर आए और उन्हें शिक्षा प्रदान की।' सौम्य रंजन ने कहा कि वे अगले जन्म में फिर शिक्षक बनना चाहेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से जिज्ञासु मानसिकता विकसित करने और देश के प्रति निष्ठावान रहने का आग्रह किया। जगदानंद ने कहा, 'जो कुछ भी मैं योगदान दे पाया हूं, वह लोगों में निहित है। केआईएसएस ने आदिवासी समुदायों को बदल दिया है। मैं संस्थापक की इस परिवर्तनकारी पहल की प्रशंसा करता हूं।' फैजल कोट्टिकोलन ने डॉ. सामंत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अनगिनत लोगों के जीवन को बदला है। शिक्षा ऐसा साधन है, जो राष्ट्र को बदल सकता है। अच्युत सामंत इस बात के प्रमाण हैं कि शिक्षा समाज के लिए क्या कर सकती है। जेएम मल्होत्रा ने कहा यह सम्मान उन्हें और अधिक प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, 'यह सम्मान मुझे अपने समाज में योगदान देने के लिए और अधिक प्रोत्साहित करेगा।' कार्यक्रम में केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत, केआईआईटी और केआईएसएस के उपाध्यक्ष उमापद बोस, केआईएसएस के सचिव आरएन दास, केआईआईटी के चांसलर अशोक कुमार परिजा, केआईएसएस के चांसलर सत्य एस त्रिपाठी, प्रो-चांसलर प्रो. अमरेश्वर गाला, वाइस चांसलर प्रो. शरणजीत सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. प्रशांत कुमार रौत्रे भी मौजूद थे।

अवैध रूप से सीमा पार करने की कोशिश करते 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए : बीएसएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा।

सुरक्षा बल ने एक बयान में कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की। बयान में कहा गया है, ''बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर 10,263 बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय पकड़ा है। बांग्लादेश में अशांति के दौरान, बीएसएफ ने कड़ी निगरानी की जिससे अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोका गया।

इसमें कहा गया है, '' जवानों ने इस कठिन कार्य को पूरा करने के लिए रात-दिन एक कर दिया।'' अधिकारियों ने कहा कि संकट के दौरान बल की जमीनी तैनाती ने उच्चतम स्तर का पेशेवर रुख बनाए रखा। बीएसएफ पूर्वी कमान ने बल का 61वां स्थापना दिवस मनाया। इसने सभी रैंक के कर्मियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं और कर्मियों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन में ईमानदार और प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। पूर्वी कमान ने अपनी वार्षिक समीक्षा में पिछले वर्ष सीमा पर प्रमुख जब्ती की जानकारी दी, जिसमें 376.52 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ, 170.57 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित सामान और 67.42 करोड़ रुपए मूल्य का 51,389 किलोग्राम सोना शामिल है।

बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की राज्यसभा में उठी मांग

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्य बृजलाल ने देश में रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए बड़ा खतरा बताते हुए उनकी पहचान कर उन्हें बाहर निकालने की मांग की। बृजलाल ने उच्च सदन में शून्यकाल में यह मुद्दा उठाया और कहा कि भारत में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की संख्या करीब डेढ़ से दो करोड़ के बीच है जो देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये भारतीय लोगों के संसाधनों पर पल रहे हैं और देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राजनीतिक दलों ने जानबूझकर इन्हें वोट बैंक के रूप में बसाया। भाजपा सदस्य ने कहा कि आज जब एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) की बात चल रही है तब टीवी और सोशल मीडिया में दिख रहा है कि पश्चिम बंगाल से तमाम घुसपैठिए बांग्लादेश की तरफ भाग रहे हैं।

सरकार एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है; लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर रीजीजू ने कहा कि वह एसआईआर, चुनाव सुधारों पर चर्चा के समय के लिए कोई शर्त नहीं रखे। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर, चुनाव सुधारों सहित किसी भी विषय पर चर्चा के खिलाफ नहीं है; लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। रीजीजू ने कहा, ''...अगर आप (विपक्ष) शर्त रखते हैं कि इस पर आज ही चर्चा करायी जाए, तो यह मुश्किल है, आपको कुछ जगह समय देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दलों ने एसआईआर के अलावा दूसरे मामले भी उठाए हैं और उन्हें भी अपने मुद्दे उठाने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, ''...मैं एक बार फिर कह रहा हूं, यह मामला आप इसे जो भी कहें, एसआईआर या चुनावी सुधार या कुछ और। मैंने शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले कहा था कि सरकार किसी भी विषय पर चर्चा के खिलाफ नहीं है। सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने इस पर चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष ने इस मांग को लेकर सदन में कुछ देर हंगामा भी किया और फिर सदन से बहिर्गमन कर गए। विपक्ष के नेता खरगे ने मांग की कि एसआईआर पर चर्चा तुरंत शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सत्तारूढ़ दल से कहा कि वह विपक्ष को बांटने का प्रयास नहीं करे। उन्होंने कहा, ''हमें मत बांटो। अगर आप हमें बांटने की कोशिश करेंगे, तो हम और मजबूत होंगे।'' तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने चुनाव सुधारों पर तत्काल चर्चा शुरू करने की मांग की। माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास सहित ने भी चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने की मांग की। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकार को ध्यान देना चाहिए कि एसआईआर से जुड़े कितने अधिकारियों की मौत हो गई।

'विकसित भारत-2047' में निर्णायक होगी उत्तर प्रदेश की भूमिका: ब्रजेश पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को साकार करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पाठक ने यह बात यहां आयोजित 'विकसित यूपी कॉन्क्लेव' में कही। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं और प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने में उत्तर प्रदेश की भूमिका निर्णायक है।

चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव में नीति आयोग, नियोजन विभाग, फिक्की और चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 25 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 3,500 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 200 से अधिक विशिष्ट अस्पताल और 81 मेडिकल कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार संस्थागत प्रसव दर को बढ़ाते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने पर निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं अब जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी राहत मिली है।'' पाठक ने कहा, ''हमारा संकल्प है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को वही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों जो आज केवल महानगरों में मिलती हैं। हमारी कोशिश है कि उन्नत चिकित्सा सुविधाएं जिले और तहसील स्तर तक पहुंचें और उत्तर प्रदेश विकसित भारत के स्वास्थ्य मॉडल का नेतृत्व करे।''

शुभेंदु ने ममता पर ''इस्लामिक कट्टरपंथियों के प्रति नरम रुख'' अपनाने का आरोप लगाया

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ''इस्लामिक कट्टरपंथियों के प्रति नरम रुख'' अपनाने का सोमवार को आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि वह दोबारा सत्ता में आती हैं, तो जमात जैसी ''राष्ट्रविरोधी ताकतों'' को खुली छूट मिल जाएगी।

अधिकारी ने कहा कि बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस को 2026 के विधानसभा चुनाव में न केवल खेजुरी, नंदीग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिले में, बल्कि अधिकतर निर्वाचन क्षेत्रों में ''करारी हार'' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''ममता बनर्जी मुस्लिम कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए विभाजनकारी एजेंडे पर काम कर रही हैं। उनकी सरकार में सीमावर्ती जिलों में जिहादी ताकतों को बिना रोक-टोक के काम करने का मौका मिला और अब ये ताकतें अन्य हिस्सों में भी अपनी जड़ें जमा रही हैं।'' उन्होंने दावा किया कि हिंदू और अन्य समुदायों के नागरिक ''गंभीर संकट'' झेल रहे हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सीमा पार से जमात से जुड़े तत्वों की घुसपैठ पर कथित तौर पर आंखें मूंदे बैठी है। उन्होंने कहा, ''केवल भाजपा जैसी मजबूत राष्ट्रवादी सरकार ही इस चुनौती को रोक सकती है।'' अधिकारी ने तृणमूल पर युवा पीढ़ी को निराश करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''हाल में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा भी विवादों से घिर गई है, क्योंकि शिक्षित युवा स्नातकों को अपने नाम साक्षात्कार सूची में नहीं मिल रहे और जब वे न्याय की मांग लेकर सड़क पर उतरते हैं, तो ममता की पुलिस उनसे मारपीट करती है।''

पीली साड़ी और पाग पहन मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में ली विधायक पद की शपथ

पटना/भाषा। पहली बार निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक एवं चर्चित लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने सोमवार को पीली साड़ी और पारंपरिक पाग धारण कर मैथिली भाषा में विधायक पद की शपथ ली। अलीनगर से जीतकर सदन में पहुंचीं मैथिली ठाकुर बिहार की सबसे कम उम्र की विधायकों में शामिल हैं।

शपथ ग्रहण के दौरान वह पारंपरिक परिधान पीली साड़ी और सिर पर पाग पहने नजर आईं, जिसने सदन का आकर्षण बढ़ा दिया। मैथिली भाषा में शपथ लेने के उनके निर्णय को सांस्कृतिक पहचान और क्षेत्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि वह अपने क्षेत्र के विकास और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शपथ ग्रहण के दौरान पाग धारण करने से मिथिलांचल की सांस्कृतिक पहचान एक बार फिर सुर्खियों में आ गई। मिथिला क्षेत्र में सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतीक माने जाने वाला पाग उनके पारंपरिक वेश-भूषा का प्रमुख हिस्सा रहा।

बिहार: 209 विधायकों ने हिंदी व 26 ने मैथिली, उर्दू, संस्कृत और अंग्रेजी में ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा के 18वें सत्र के पहले दिन सोमवार को नवनिर्वाचित कुल 235 विधायकों ने शपथ ग्रहण की। शपथ लेने वाले 235 विधायकों में 209 ने हिंदी, जबकि 26 ने मैथिली, उर्दू, संस्कृत और अंग्रेजी में शपथ ली।

राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में सात विधायक विभिन्न कारणों से शपथ नहीं ले सके, जिन्हें बाद में शपथ दिलाई जाएगी। अंग्रेजी में शपथ लेने वालों में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विष्णुदेव पासवान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिद्धार्थ सौरभ, तथा जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के चेतन आनंद और राहुल सिंह शामिल रहे। संस्कृत में शपथ लेने वालों में कटिहार से भाजपा विधायक तारकिशोर प्रसाद, सोनबरसा से जद(यू) के रत्नेश सदा, तथा जद(यू) के मुकेश कुमार शामिल हैं। मिथिलांचल क्षेत्र के 14 विधायकों ने अपनी मातृभाषा मैथिली में शपथ ली। इनमें अरुण शंकर प्रसाद, नीतीश मिश्रा (झंझारपुर), अलीनगर से निर्वाचित सबसे कम उम्र की विधायक एवं लोकगायिका मैथिली ठाकुर, सुधांशु शेखर, विनोद नारायण झा, मीना कामत, माधव आनंद, सुजीत कुमार, विनय चौधरी, राजेश कुमार मंडल, संजय सरावगी, रामचंद्र प्रसाद, मुरारी मोहन झा और आसिफ अहमद शामिल हैं।

उर्दू में शपथ लेने वालों में कांग्रेस के आबिदुर रहमान, मोहम्मद मुर्शिद आलम, कमरूल होदा और सरवर आलम, तथा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विधायक अख्तरूल ईमान शामिल रहे। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने किया, जिन्हें राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पहले ही राजभवन में शपथ दिला चुके हैं।

सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित, द्रविड को : अश्विन

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है। अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, ''कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज बल्लेबाजी करना से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने रास्ता दिखाया, राहुल भाई ने कहा कि हमें इस तरह खेलना है और रोहित ने खुद इस तरह की पहल की और इसने भारतीय बल्लेबाजी की धारणा बदल दी। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में बल्लेबाजी सिर्फ औसत नहीं बल्कि स्ट्राइक रेट पर भी निर्भर करती है।'' भारत ने आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार निराशाजनक अभियानों के बाद इस तरह का रवैया अपनाया। टीम ने 2023 में घरेलू सरजमीं पर खेले गये विश्व कप में आक्रामक मानसिकता के साथ लीग चरण में दबदबा बनाया। टीम को इस तरह की रवैये से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये 2024 टी20 विश्व कप में भी जीत मिली। दिग्गज रोहित और विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते है ऐसे में अश्विन ने प्रशंसकों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शेष समय का लुत्फ उठाने का आग्रह किया।

तृणमूल कांग्रेस और भाजपा मतुआ का बस वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है: अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों पर राज्य में पिछड़े मतुआ समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे इस समुदाय का समर्थन करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

यहां मतुआ समुदाय के हजारों सदस्यों की एक रैली का नेतृत्व करने वाले चौधरी ने आरोप लगाया कि उत्तर 24 परगना और नदिया में दशकों से रह रहे समुदाय के सदस्यों में कई के पास वैध नागरिकता दस्तावेज हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें फिर से एसआईआर प्रक्रिया से गुजरने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह मतदाता सूची से मतुआ समुदाय के अधिकतर सदस्यों के नाम हटाने की साजिश है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों उनके भविष्य के साथ खेल रही हैं। जब नवंबर के पहले सप्ताह में मतुआ महासंघ के सदस्य अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे थे, इन दोनों पार्टियों में से कोई भी उनकी मदद के लिए नहीं आई। मतुआ से एक भी वोट न मिलने के बावजूद कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। हम सब कुछ करेंगे ताकि एक भी मतुआ का नाम न हटाया जाए।''

खरगे ने राज्यसभा में धनखड़ के 'अचानक' इस्तीफे का जिक्र किया, सत्तापक्ष ने जताई आपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को उपराष्ट्रपति और उच्च सदन के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित और अचानक इस्तीफे का जिक्र किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने विरोध जताते हुए कहा कि यह अवसर ऐसा विषय उठाने के लिए उचित नहीं है।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस ''संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं'' के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी कहा, ''सदन की कार्यवाही का निष्पक्ष संचालन और प्रत्येक पार्टी के सदस्यों को समान अवसर देना इस पद की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है।''

खरगे ने जिक्र किया कि राधाकृष्णन तीन बार लोकसभा सांसद रह चुके सी के कुप्पुस्वामी के रिश्तेदार हैं, जो कांग्रेस के सदस्य थे। उन्होंने कहा, ''बेहतर होगा कि आप दोनों तरफ संतुलन बनाए रखें। मैं आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं... आप जिस पृष्ठभूमि से आते हैं, उसका प्रधानमंत्री ने ज़िक्र किया, लेकिन आपको यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आप एक कांग्रेसी परिवार से हैं।''

खरगे ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने (संसद के) बाहर एक बयान दिया है। उन्होंने हम पर अप्रत्यक्ष हमला किया और हम उसका जवाब यहीं देंगे...।'' उन्होंने कहा कि धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था और उनका अचानक पद छोड़ना संसदीय इतिहास में असामान्य घटना है। उन्होंने कहा, मुझे आपके पूर्ववर्ती के अचानक और अप्रत्याशित रूप से पद छोड़ने का उल्लेख करना पड़ रहा है। मुझे निराशा है कि सदन को उन्हें विदाई देने का अवसर नहीं मिला।

हरेंद्र सिंह ने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने 'निजी कारणों' का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है । हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे।

सूत्रों ने बताया कि तोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है ।

सूत्रों के अनुसार अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं । उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है । सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी । मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था । इससे पहले वह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता जूनियर पुरूष हॉकी टीम के कोच रहे थे । वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरूष हॉकी टीम के कोच थे । वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था ।

इसके बाद वह मई 2018 में शोर्ड मारिन की जगह भारतीय पुरूष टीम के मुख्य कोच बने लेकिन जनवरी 2019 में खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें पद से हटा दिया गया था । इससे पहले वह तीन बार पुरूष टीम के अंतरिम मुख्य कोच भी रहे।

भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन पिछले एक साल में निराशाजनक रहा है । एफआईएच प्रो लीग 2024 . 25 में भारतीय टीम ने 16 मैचों में महज दो जीत दर्ज की और तीन मैच ड्रॉ खेले जबकि उसे 11 मैच में हार सामना करना पड़ा। भारतीय टीम 10 अंक के साथ नौ टीम की तालिका में अंतिम स्थान पर रही और अगले सत्र के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही ।

राजगीर में नवंबर में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत ने खिताब जीता लेकिन वहां जापान और कोरिया की दोयम दर्जे की टीमें थी । एशिया कप में फाइनल हारने के बाद भारतीय टीम विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाई।

सुविचार

अच्छी नीयत से किया गया काम कभी व्यर्थ नहीं जाता, और उसका फल आपको अवश्य मिलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिम सत्यापन से मजबूत होगी साइबर सुरक्षा

केंद्र सरकार ने ऐप-आधारित संचार सेवाओं के संबंध में जो नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे वक्त की जरूरत हैं। इनके लागू होने पर वॉट्सऐप, सिग्नल, टेलीग्राम जैसे ऐप मोबाइल फोन में सिम चालू होने की स्थिति में ही काम कर पाएंगे, जिससे ऑनलाइन ठगी की घटनाओं पर कुछ रोक लगेगी। हालांकि इससे कई लोगों को असुविधाएं भी होंगी। वर्तमान में बहुत लोग एक ही नंबर से अपने मोबाइल फोन और लैपटॉप पर एकसाथ लॉग इन रखते हैं। जब फोन में सिम नहीं होगी तो ऐप नहीं चलेगा। इसी तरह जब वेब ऐप में लॉग इन करेंगे तो वह छह घंटे बाद ऑटोलॉग आउट हो जाएगा और यूजर को दोबारा लॉग इन करना होगा। नई व्यवस्था के साथ कुछ चुनौतियां हैं, लेकिन फायदे भी बहुत हैं। इससे साइबर अपराधियों की राह मुश्किल जरूर होगी, जो फर्जीवाड़ा कर कई लोगों के नाम पर सिम खरीदते या ओटीपी लेते हैं और उनके जरिए धड़ल्ले से ठगी को अंजाम देते हैं। प्राय: साइबर ठग एक अकाउंट बनाकर उससे अनेक लोगों को शिकार बनाते हैं। जब पुलिस द्वारा कंपनी से शिकायत की जाती है, तब उस अकाउंट को प्रतिबंधित किया जाता है। इस अवधि में ठगी की कोशिशें जारी रहती हैं। नए दिशा-निर्देशों में इस बात का खास ध्यान रखा गया है। जब सक्रिय सिम के न होने से ऐप के जरिए संदेश भेजना संभव नहीं होगा तो साइबर ठग हतोत्साहित होंगे। बहुत कम लोगों को पता होगा कि पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई भी भारतीय नंबरों का इस्तेमाल कर वॉट्सऐप और टेलीग्राम जैसे ऐप चलाती है और भारत में अपने एजेंट तैयार करती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ऐसे कुछ लोग पकड़े गए थे, जिन्होंने अपने नाम पर सिम जारी करवाई थीं। उनका इस्तेमाल पाकिस्तानी दूतावास कर रहा था। ये सिम आईएसआई के एजेंटों तक पहुंचाई जाती हैं, जो भारतविरोधी गतिविधियां करते हैं।

पूर्व में ऐसे भी मामले सामने आए थे, जिनमें पाया गया कि लोगों को बहला-फुसलाकर सिम लेने को मजबूर किया गया। फिर, ओटीपी मांगा गया, जो उन्होंने भेज दिया। उसके बाद उन्हें पता ही नहीं चला कि आईएसआई के एजेंट कहीं दूर बैठकर उन नंबरों से वॉट्सऐप, टेलीग्राम आदि चला रहे थे। यह हरकत राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती है। मैसेजिंग ऐप्स का मकसद लोगों को जोड़ना होना चाहिए, लेकिन हाल के वर्षों में इन पर स्पैम और फेक न्यूज की बाढ़-सी आ गई है। इससे कई जगह शांति और सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौतियां पैदा हो चुकी हैं। ऐसी घटनाओं के पीछे कुछ स्वार्थी तत्त्व होते हैं, जिन्हें अव्यवस्था और अराजकता फैलाने में बड़ा आनंद आता है। वे इन ऐप्स पर कई अकाउंट बनाकर रखते हैं और जब कोई अफवाह फैलानी होती है, वे एक ही पोस्ट को हर जगह शेयर करने लगते हैं। इससे कुछ ही सेकंडों में झूठ का बोलबाला हो जाता है। उम्मीद है कि नए दिशा-निर्देशों से ऐसे अपराधियों को भी झटका लगेगा। नंबर, सिम और डिवाइस का संयोजन होने से संदेश का मूल स्रोत पता करने में आसानी होगी। अगर कोई व्यक्ति फर्जी नंबर और विदेशी डिवाइस का इस्तेमाल करते हुए संदेश भेजकर साइबर अपराध करना चाहेगा तो उसके लिए यह काम मुश्किल होगा। मैसेजिंग ऐप्स पर फर्जी अकाउंट बहुत बन चुके हैं। उन्हें कंपनियां बंद भी करती रहती हैं, लेकिन उनकी कार्रवाई की रफ्तार बहुत धीमी होती है। अब ये अकाउंट बड़ी संख्या में एकसाथ ही निष्क्रिय हो सकते हैं। इसके बाद साइबर अपराधी दूसरे तरीके ढूंढ़ेंगे। सरकार को चाहिए कि वह उन चुनौतियों का आकलन करते हुए दिशा-निर्देशों को इतना मजबूत बनाए कि साइबर अपराधियों की कहीं दाल ही न गले।

ट्वीटर टॉक

विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले बीएसएफ के वीर जवानों को बीएसएफ स्थापना दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी सेवाओं के लिए देश सदैव आपका कृतज्ञ रहेगा।

-अशोक गहलोत

हर बात में पिछले 70 साल पर सवाल करने वालों ने 10 साल में देश को 'घाटे के गर्त' में पहुंचा दिया। जिस दौर में देश को '5 ट्रिलियन' इकॉनोमी और 'विश्वगुरु' बनाने के सपने बेचे गए, उसी दौर में रुपए की रिकॉर्ड गिरावट का ग्राफ देखिए।

-गोविंदसिंह डोटासरा

संसद देश के लिए क्या सोच रही है, संसद देश के लिए क्या करना चाहती है, संसद देश के लिए क्या करना चाहिए। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए, चर्चा में मजबूत मुद्दे उठाए, पराजय की निराशा से बाहर निकलकर आए।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

समर्पण की आस्था

एक बार भगवान राम और लक्ष्मण स्नान के लिए एक सरोवर में उतरे। प्रवेश करते समय दोनों ने अपने-अपने धनुष तट पर गाड़ दिए। स्नान कर वापस लौटे तो देखा कि धनुष की नोक पर रक्त लगा है। उन्होंने मिट्टी हटाई तो पाया कि एक मेढक घायल अवस्था में पड़ा है। करुणावश प्रभु राम ने पूछा'हे मेढक! तुमने आवाज क्यों नहीं दी? जब सांप तुम्हें पकड़ता है, तब तो तुम जोर-जोर से चिल्लाते हो। धनुष लगने पर चुप क्यों रहे?' मेढक विनम्रता से बोला 'प्रभु! जब सांप पकड़ता है, तब 'राम-राम' पुकारता हूं, क्योंकि विश्वास रहता है कि आप मेरी रक्षा करेंगे। पर आज जब स्वयं भगवान राम धनुष गाड रहे थे, तब मैं किसे पुकारता? इसलिए इसे अपना सौभाग्य मानकर मौन रहा।' सच्चा भक्त सुख-दुःख, दोनों को प्रभु की कृपा और लीला मानकर धैर्यपूर्वक स्वीकार करता है।

सामयिक

पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान कई प्रकार का है। यह जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अगर केवल पर्यावरण की बात करें तो पक्षियों का अध्ययन (पक्षी विज्ञान) पारिस्थितिकी संतुलन को समझने में मदद करता है, क्योंकि वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षी पर्यावरण में हो रहे बदलाव के शुरुआती संकेत देते हैं। उनकी आबादी में गिरावट आवासों के क्षरण या जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है।

पशु-पक्षियों के संकेत आज भी कारगर

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में राजस्थान के जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग ने एक अध्ययन में यह साबित किया कि पक्षियों के घोंसले बनाने के तरीके से लेकर जानवरों के व्यवहार तक, मौसम के संकेतों को समझा जा सकता है। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया है कि जानवरों के व्यवहार में 80 प्रतिशत तक सटीकता देखी जाती है। यह शोध सिद्ध करता है कि पुराने समय से चली आ रही यह पारंपरिक जानकारी, जो ग्रामीणों द्वारा इस्तेमाल की जाती रही है, अब वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो चुकी है। उदाहरण के लिए मोर का नृत्य या कूजन मानसून की शुरुआत का संकेत देता है। इसी प्रकार चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है। विभाग के एचओडी डॉ. गेमराराम परिहार और उनके शोध दल का कहना है कि प्रकृति के संकेत आज भी कारगर हैं। पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम का पूर्वानुमान लग जाता है। उनका दावा है कि वैज्ञानिक शोध में इन बातों और तथ्यों की पुष्टि हो चुकी है। उनके शोध में पुरानी प्रथाओं के वैज्ञानिक प्रमाण साबित हुए हैं। शोध का निष्कर्ष है कि पशु-पक्षियों का व्यवहार आज भी मौसम के संकेत बताने में पूरी तरह सक्षम है। शोध में बताया गया है कि पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम के संकेत सटीक मिलते हैं। यह बात करीब 80 प्रतिशत तक सही साबित हुई है। शोध में दावा किया गया है कि पारंपरिक ज्ञान का आज भी कोई तोड़ नहीं है। इसके संकेत आज भी वैज्ञानिक कसौटी पर भी पूरी तरह कारगर हैं।

इस शोध में यह भी बताया गया कि कैसे पुराने समय में लोग पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों के व्यवहार से मौसम की भविष्यवाणी करते थे। लोमड़ी, सियार और अन्य जानवरों का व्यवहार भी इस प्रणाली का हिस्सा था। उदाहरण के लिए लोमड़ी खेतों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करती है, जो कृषि के लिए अच्छा संकेत है। शोध के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे भील, मीणा और बंजारा समुदायों के लोग अभी भी पशु-पक्षियों के संकेतों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए लाल चींटियां जब अपने अंडे इधर-उधर ले जाती हैं, तो यह बारिश के करीब आने का संकेत होता है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के इन जानवरों की सूझबूझ को दर्शाता है, जो मौसम की सटीक जानकारी देते हैं।

शोध कहता है कि पक्षियों के पारंपरिक संकेतों के कुछ अर्थ होते हैं। मोरों का नृत्य मानसून की शुरुआत का संकेत देता है। चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है। सांप का पेड़ों पर चढ़ना बारिश की संभावना का पूर्वानुमान है। वहीं लोमड़ी की उपस्थिति खेतों में चूहों का नियंत्रण होने का संकेत देती है। मौसम के साथ जीवन से भी पक्षियों के संकेत जुड़े हुए हैं, जैसे चिड़िया अथवा गौरैया का घर में घोंसला बनाना खुशहाली और तरक्की का संकेत है। तोता का घर में आना धन लाभ, रुके हुए काम पूरे होने और मां लक्ष्मी की कृपा का सूचक है। उल्लू का घर में दिखाई देना जल्द ही कुछ शुभ होने का संकेत है, क्योंकि यह माता लक्ष्मी का वाहन है। कौवे का घर में आना मेहमानों के आगमन का संकेत देता है। मोर, नीलकंठ और सफेद कबूतर का सुबह-सुबह दिखना पूरे दिन के अच्छा बीतने का संकेत माना जाता है। इसी तरह पक्षियों के मौसम के संकेत में उनकी उड़ान की ऊंचाई (कम ऊंचाई पर उड़ना बारिश का संकेत है, जबकि ऊंची उड़ानें अच्छे मौसम का संकेत देती हैं), उनकी आवाजें (जैसे उल्लू का बोलना या मोर का नाचना बारिश का संकेत माना जाता है) और उनका भोजन व्यवहार (तूफान से पहले खूब खाना) शामिल है। कुछ प्राचीन और ग्रामीण परंपराएं पक्षियों के घोंसले बनाने की जगह को भी मौसम का सूचक मानती हैं। जब पक्षी जमीन के करीब उड़ते हैं, तो यह बारिश का संकेत माना जाता है। मोर का नाचना, उल्लू का चीखना और गौरैया का धूल में लोटना बारिश का संकेत माना जाता है। यदि कौवे कांटेदार पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, तो बारिश कम होने की संभावना है। वहीं आम या करंज जैसे पेड़ों पर घोंसला बनाना अच्छी बारिश का संकेत है। लाल चींटियों का अपने अंडों को इधर-उधर ले जाना भी बारिश के आने का संकेत है।

इसी तरह पक्षियों का आसमान में ऊंची उड़ान भरना अच्छे मौसम का संकेत होता है। वहीं जोड़े में उड़ने वाले कौवे अच्छे मौसम का संकेत देते हैं। इसी तरह तूफान से पहले पक्षी वसा जमा करने के लिए अधिक सक्रिय हो जाते हैं और खूब खाना खाते हैं। बारिश आने पर मुर्गियां बेचैन हो जाती हैं या धूल में रगड़ती हैं। हंस की छाती की हड्डी का लाल या गहरे रंग का होना ठंडी और तूफानी सर्दी का संकेत हो सकता है। यदि सारस आकाश में गोलाकार परावलय बनाकर उड़ते हैं, तो यह शीघ्र वर्षा का संकेत है। पेड़ों पर दीमक का तेजी से घर बनाना अच्छी वर्षा का संकेत है। जब पक्षी एक साथ इकट्ठा होते हैं और अपने पंख फड़फड़ाते हैं, तो मौसम में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। वहीं चातक को बारिश का पक्षी माना जाता है। इसका आगमन मानसून के मौसम का संकेत है।

इस तरह पशु और पक्षियों की हरकतों को देखकर मौसम का काफी हद तक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। असल में यह हमारा पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान है, जिसे हमारे पूर्वजों ने पूरा मान और सम्मान दिया है। मनुष्य लंबे समय से पक्षियों के व्यवहार को बदलते मौसमों के बैरोमीटर के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। कई लोक कथाएं और किस्से हैं, जो बताते हैं कि पक्षियों की बढ़ती या घटती गतिविधि एक अध्याय के अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है। हममें से ज्यादातर लोग इस जुड़ाव को भूल चुके हैं, लेकिन कोई भी पक्षी प्रेमी आपको सर्दियों के आखिरी नीरस दिनों में पक्षियों को रंग-बिरंगे रंग में रंगते देखने के उत्साह के बारे में जरूर बता देगा। सामान्य पक्षियों की तरह प्रवासी पक्षी भी कई अनुमान बताते हैं, जैसे मॉकिंगबर्ड और ब्लैकबर्ड का रात भर चहचहाना बताता है कि गर्म दिन आने वाले हैं। कई प्रवासी पक्षी सर्दियों के आगमन अथवा जाने के बारे में इशारा करते हैं।

पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान कई प्रकार का है। यह जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अगर केवल पर्यावरण की बात करें तो पक्षियों का अध्ययन (पक्षी विज्ञान) पारिस्थितिकी संतुलन को समझने में मदद करता है, क्योंकि वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षी पर्यावरण में हो रहे बदलाव के शुरुआती संकेत देते हैं। उनकी आबादी में गिरावट आवासों के क्षरण या जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है। पक्षी कीटों को नियंत्रित करते हैं, बीज फैलाते हैं और परागण में मदद करते हैं, जो मानव द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई पौधों के लिए महत्वपूर्ण है। पक्षी मृत जीवों और कचरे को साफ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षियों का वैज्ञानिक अध्ययन पक्षियों के व्यवहार, प्रवास, प्रजनन और शारीरिक विशेषताओं को समझने में इंसान की पूरी तरह से मदद करता है। हमें केवल इस ज्ञान की समझ होने और इसके वैज्ञानिक प्रयोगों को पहचानने की जरूरत है।

नजरिया

ओलंपिक की मेजबानी वाया राष्ट्रमंडल गेम्स

यहां सरकार की जवाबदेही भी काफी बढ़ जाती है। समय पर उच्च स्तरीय अवसंरचनाओं का निर्माण करना कोई हंसी-खेल नहीं है। इसके लिए युद्धस्तर पर तैयारी करनी होगी। तैयारी में किसी तरह की कोई कमी न रहे, इसकी निगरानी करनी होगी। जब हम ऐसा करेंगे तभी जाकर सच्चे अर्थों में 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी कर पाने में सक्षम हों पायेंगे, क्योंकि ओलंपिक में 200 से अधिक देश भाग लेते हैं। इस आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद होनी चाहिए। इसमें तनिक भी चूक देश की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला देगी।

रोहित माहेश्वरी

दुनियाभर में खेलों को लेकर अलग ही रोमांच देखने को मिलता है, क्योंकि यहां खेल के मैदान में खिलाड़ियों के धैर्य, ताकत और हौसले की काबिले तारीफ जुगलबंदी देखने को मिलती है। इस संदर्भ में बात करें तो इस बार भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकार मिल गया है। जिसमें अहमदाबाद को मेजबान शहर घोषित किया गया है। यह ऐतिहासिक घोषणा 26 नवंबर को ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की महासभा में की गई। भारत ने पिछली बार 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी। कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किसी भी देश के लिए सिर्फ खेल आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि, विकास क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और विजन का भी प्रतीक माना जाता है। अब तक ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, कनाडा और न्यूजीलैंड सहित कुल 9 देश इसकी मेजबानी कर चुके हैं। भारत को दूसरी बार मेजबानी करने के अधिकार मिले हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने से ओलंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी मजबूत होगी। भारत 2036 के ओलंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लाल किले की से इसका ऐलान भी किया था। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। साल 2029 विश्व पुलिस खेल की मेजबानी की भी तैयारी की जा रही है।

भारत ने वर्ष 2010 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में कुल 101 पदक जीते थे, जिसमें 38 स्वर्ण शामिल थे। इनमें से 30 पदक सिर्फ शूटिंग से आए थे। वर्ष 2022 में भारत ने कुल 61 पदक जीते, जिनमें 22 स्वर्ण शामिल थे। बर्मिंघम में हुए इस राष्ट्रमंडल खेल में शूटिंग को शामिल नहीं किया गया था। कॉमनवेल्थ गेम्स का इतिहास बेहद दिलचस्प है। यह एक मल्टी-स्पोर्ट्स अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें ब्रिटिश शासन वाले देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। फिलहाल, इसमें 54 सदस्य देश हैं। इन गेम्स की शुरुआत 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर से हुई थी। पहले इसे ब्रिटिश एम्पायर गेम्स कहा जाता था। 1978 से इसका नाम 'कॉमनवेल्थ गेम्स' हो गया। 2030 के आयोजन में कॉमनवेल्थ गेम्स को 100 साल पूरे होंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भारत की आर्थिक उन्नति, आधारभूत ढांचे, खेल की व्यवस्थाओं की बड़ी सफलता की शुरुआत है। अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के आयोजन के लिए तैयारियां पहले से ही शुरू हो चुकी हैं। यहां खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की तैयारी जोर-शोर पर है। मुख्य वेन्यू के तौर पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, और सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव को प्रस्तावित किया गया है।

भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपये खर्च होने का था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं, जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में 70 से अधिक देश भाग लेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यह खेल प्रतिस्पर्धा काफी बड़े पैमाने पर आयोजित की जायेगी। ऐसे में इस खेल आयोजन को सफल बनाने के लिए जो भी व्यवस्था की जाएगी, वह उच्च स्तरीय होनी चाहिए, ठीक वैसी जैसी ओलंपिक के दौरान होती है। इस तरह की खेल सुविधाएं- जिन्हें सस्टेनेबल स्पोर्ट्स इकोसिस्टम कहते हैं- विशेषकर जो हमारे युवा वर्ग हैं, उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस इकोसिस्टम के तहत जब हमारे युवा खिलाड़ी तैयार होकर निकलेंगे, तो उन्हें बहुत लाभ मिलेगा। क्योंकि सच तो यही है कि अपने देश में बहुत कम जगह पर ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की अवसंरचनाएं मौजूद हैं।

दूसरी बात, जब भी इस तरह के आयोजन होते हैं, तो देश में खेलों को लेकर एक जुनून पैदा होता है और इससे देश की खेल संस्कृति को मजबूती मिलती है, जो अंततः: बेहतर खिलाड़ियों के उभरने और सफल खेल आयोजन के रूप में परिणत होती है। उदाहरण के लिए, ओलंपिक खेलों में जब सायना नेहवाल और पीवी सिंधु ने पदक जीते, तो देश की लड़कियों के बीच बैडमिंटन खेलने का माहौल बन गया। जबकि इससे पहले तक बैडमिंटन को लेकर लड़कियों के बीच इस तरह का जुनून नहीं था। जब देश में इतनी बड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा आयोजित की जायेगी, तो उम्मीद है कि उसके लिए तैयारियां भी उसी स्तर पर होंगी। इनसे अनगिनत लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही, बड़ी संख्या में आगंतुकों के आने से अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। हालांकि इसमें सरकार को बहुत पैसे खर्च करने पड़ेंगे, पर इससे देश की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

जहां तक खिलाड़ियों की बात है, तो अपने देश में, अपने लोगों के सामने खेलने का अपना अलग ही आनंद होता है। हालांकि, यह भी सच है कि जो होम टीम होती है, उसके अपने लाभ तो होते ही हैं, पर हानि भी होती है। अपने घर में खेलने का दबाव बहुत होता है। तो यहां आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा और इसके लिए मानसिक मजबूती की जरूरत होगी। ऐसे में कोच व खिलाड़ी दोनों को मानसिक मजबूती के लिए काम करना होगा। कोच और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण को लेकर भी पूरी सावधानी बरतनी होगी। आजकल ऐसी ट्रेनिंग होती है, जिसमें खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा कई बार बहुत बढ़ जाता है। कई बार कोच अपने स्टूडेंट पर यह दबाव बनाते हैं कि वह थोड़ी देर और प्रैक्टिस कर ले, इस चक्कर में भी कई बार खिलाड़ी चोटिल हो जाते हैं. इससे उन्हें बचना होगा इस तरह के आयोजन कोच के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान उन्हें दूसरे अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच के साथ संवाद करने का अवसर मिलता है, उनके अनुभव से सीखने को मिलता है।

यह एक कोच को दूसरे कोच की मानसिकता को समझने का भी अवसर होता है, जिसका लाभ उन्हें खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करते समय मिलता है। कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने देश में खेलते हुए खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खेल के तरीके, उनकी रणनीतियों को समझकर अपने खेल को बेहतर बना सकते हैं और ओलंपिक जैसे खेलों के महाकुंभ में अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि जो खिलाड़ी कॉमनवेल्थ 2030 में खेलेंगे, उनमें से 70-80 प्रतिशत खिलाड़ी ओलंपिक 2036 में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उनकी उम्र अधिक हो चुकी होगी। लेकिन, जो युवा खिलाड़ी हैं, जो उभरते हुए खिलाड़ी हैं, वे निश्चित तौर पर इससे प्रेरित होंगे, उन्हें दूसरे देश के महान खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा।

यहां सरकार की जवाबदेही भी काफी बढ़ जाती है। समय पर उच्च स्तरीय अवसंरचनाओं का निर्माण करना कोई हंसी-खेल नहीं है। इसके लिए युद्धस्तर पर तैयारी करनी होगी। तैयारी में किसी तरह की कोई कमी न रहे, इसकी निगरानी करनी होगी। जब हम ऐसा करेंगे तभी जाकर सच्चे अर्थों में 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी कर पाने में सक्षम हों पायेंगे, क्योंकि ओलंपिक में 200 से अधिक देश भाग लेते हैं। इस आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद होनी चाहिए। इसमें तनिक भी चूक देश की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला देगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

शिल्प मेला

प्रयागराज में सोमवार को पारंपरिक कपड़ों में सजे कलाकार प्रयागराज में 32वें राष्ट्रीय शिल्प मेले (नेशनल हैंडीक्राफ्ट्स फेयर) में हिस्सा लेते हुए।

'रेज बेट' 2025 के लिए ऑक्सफोर्ड का वर्ष का शब्द घोषित

नई दिल्ली/भाषा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) ने 'रेज बेट' को 2025 के लिए वर्ष का शब्द घोषित किया है। इस शब्द को 'ऐसी ऑनलाइन सामग्री के रूप में परिभाषित किया गया है, जो जानबूझकर निराशापूर्ण, उत्तेजक या आक्रामक होकर क्रोध या आक्रोश पैदा करने के लिए तैयार की जाती है, जिसे आमतौर पर किसी विशेष वेब पेज या सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्रैफिक या जुड़ाव बढ़ाने के लिए पोस्ट किया जाता है।' अधिकारियों के अनुसार, इस शब्द को तीन दिन तक एक सार्वजनिक मतदान के बाद चुना गया, जिसमें दुनिया भर के 30,000 से ज़्यादा लोगों ने अपनी राय दी। वर्ष 2025 के लिए शीर्ष तीन दावेदार थे 'रेज बेट', 'ऑरा फ़ार्मिंग' और 'बायोहैक'।

शब्द का चयन वोट, सार्वजनिक टिप्पणियों की भावना और यूनिवर्सिटी प्रेस के शाब्दिक डेटा के विश्लेषण के संयोजन से किया गया। वर्ष 2025 के समाचार चक्र में सामाजिक अशांति, ऑनलाइन सामग्री के विनियमन के बारे में बहस और डिजिटल कल्याण पर चिंताओं का बोलबाला है।

इस साल 'रेज बेट' का इस्तेमाल इस बात का संकेत देता है कि हम ऑनलाइन ध्यान खींचने के बारे में कैसे बात करते हैं। ''रेज बेट'', रेज (क्रोध का हिंसक विस्फोट) और बेट (भोजन का एक आकर्षक टुकड़ा) शब्दों का मिश्रण है। दोनों ही अंग्रेजी के प्रचलित शब्द हैं, जिनका इतिहास मध्य अंग्रेजी काल से चला आ रहा है।

ऑक्सफोर्ड लैंग्वेजेज के अध्यक्ष कैस्पर ग्रैथवोहल ने कहा, जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारे दैनिक जीवन में और अधिक अंतर्निहित होती जा रही है- डीपफेक तकनीक से तैयार हस्तियों और एआई-जनरेटेड इन्फ्लुएंसर से लेकर आभासी साथियों और डेटिंग प्लेटफॉर्म तक- इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2025 एक ऐसा वर्ष रहा है, जो इस सवाल से परिभाषित होता है कि हम वास्तव में कौन हैं; ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों।'' उन्होंने कहा, तथ्य यह है कि 'रेज बेट' शब्द का अस्तित्व है और इसके प्रयोग में नाटकीय वृद्धि देखी गई है, जिसका अर्थ है कि हम ऑनलाइन हेरफेर की उन युक्तियों के प्रति अधिकाधिक जागरूक हो रहे हैं, जिनके जाल में हम फंस सकते हैं।

ग्रैथवोहल ने कहा, पहले, इंटरनेट क्लिक के बदले में जिज्ञासा जगाकर हमारा ध्यान खींचने पर केंद्रित था, लेकिन अब हमने इसमें एक नाटकीय बदलाव देखा है जो हमारी भावनाओं और हमारी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर रहा है। यह तकनीक-चालित दुनिया में इंसान होने के अर्थ और ऑनलाइन संस्कृति की चरम सीमाओं के बारे में चल रही बातचीत में एक स्वाभाविक प्रगति की तरह लगता है।

विश्वास यात्रा

गुवाहाटी से कोकराझार तक 'विश्वास यात्रा' के फ्लैग ऑफ सेरेमनी के दौरान राइडर्स।

भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों से अमेरिका को अत्यंत फायदा हुआ है : मस्क

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का ''अत्यंत फायदा'' मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए ''वास्तव में बहुत बुरा'' होगा। अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने निवेशक एवं उद्यमी निखिल कामत के पॉडकास्ट 'पीपल बाय डब्ल्यूटीएफ' में एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ।

मस्क ने कहा, ''हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है।''

एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन उनका दृढ़ विश्वास है कि इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह कहना सही होगा कि... कुछ 'आउटसोर्सिंग' कंपनियों ने एच-1बी प्रणाली का दुरुपयोग किया है। और हमें इस दुरुपयोग को रोकने की जरूरत है। लेकिन मैं बिल्कुल भी उस विचारधारा का हिस्सा नहीं हूं कि इस कार्यक्रम को बंद कर दिया जाए। कुछ दक्षिणपंथी लोग ऐसा सोचते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें समझ नहीं है कि ऐसा करना वास्तव में बहुत बुरा होगा।''

उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सख्ती शुरू की है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशियों को रोजगार देने के लिए इस वीजा का व्यापक रूप से उपयोग करती हैं। भारतीय पेशेवर खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारी और चिकित्सक एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूहों में शामिल हैं। मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में ''बड़े पैमाने पर'' अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया।

मीडिया, मनोरंजन उद्योग पर एआई का व्यापक प्रभाव होगा; अपनाने की जरूरत : सचिव

मुंबई/भाषा। सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का देश के मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र पर बेहद गहरा असर होने वाला है, लिहाजा उद्योग को यह प्रौद्योगिकी अपनाकर इसके पूरे लाभ उठाने चाहिए।

जाजू ने यह बात उद्योग मंडल सीआईआई के 'बिग पिक्चर समिट 2025' के दौरान पत्रकारों से कही। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में डायरेक्ट-टू-मोबाइल प्रसारण परियोजना के लिए कई अध्ययन जारी हैं और इनमें हितधारकों के साथ परामर्श भी शामिल है।

सचिव ने मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, '' एआई का इस खंड पर बहुत गहरा असर होने वाला है। इसमें कई सकारात्मक बातें होंगी लेकिन कुछ नकारात्मक पहलू भी नजर आएंगे। इसलिए यह समझने के लिए कुछ नियंत्रण भी होने चाहिए ताकि हम अपनी सीमा को पार न करें। '' उन्होंने कहा कि एआई से तमाम नौकरियां और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।जाजू ने कहा, '' यदि कोई काम एआई के इस्तेमाल से तय समय के दसवें हिस्से और लागत के सौवें हिस्से में पूरा किया जा सके, तो यकीनन ही यह उत्पादकता को काफी बढ़ाएगा।'' उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि हालांकि कुछ क्षेत्रों में इससे नुकसान और कुछ में लाभ होगा, लिहाजा एक संतुलित एवं समन्वित विकास सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

इसके पहले सूचना एवं प्रसारण सचिव ने सीआईआई की तरफ से भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग पर तैयार एक श्वेतपत्र को जारी किया।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी : शेफाली शाह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, फिर चाहे उनकी फिल्म 'जूस,' 'जलसा,' या फिर 'थ्री ऑफ अस' हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म 'मॉनसून वेडिंग,' जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेंयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी।

अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं। शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, 'इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली।' शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

नई दिल्ली में सोमवार को भाजपा सांसद कंगना रनौत विंटर सेशन के पहले दिन पार्लियामेंट के बाहर नजर आई।

स्मृति ईरानी ने पोस्ट किया फ्राइडे फ्लैशबैक, यादों में लौटे टीवी के खास पल

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और राजनीति की दुनिया में स्मृति ईरानी का नाम समय के साथ हर किसी के दिल में अपनी छाप छोड़ चुका है। अभिनेत्री के रूप में उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में तुलसी का किरदार निभाकर दर्शकों के बीच पहचान बनाई और राजनीतिक रूप से भी उन्होंने खुद को साबित किया। अब, सालों बाद, स्मृति टीवी की दुनिया में वापस लौट आई हैं। वह वर्तमान में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में नजर आ रही हैं। इस बीच उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने करियर के सफर को याद किया। इस पोस्ट में स्मृति ने कुछ पुरानी तस्वीरों को साझा किया, जिसमें वह रेड साड़ी में नजर आ रही हैं और स्माइल के साथ कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में जीवन के महत्वपूर्ण पलों और अनुभवों को साझा किया।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, जीवन की भाग-दौड़ में हम अक्सर यह नहीं समझ पाते कि जो पल हम जी रहे हैं, वे कितने खास और मूल्यवान हैं। सालों बाद एक पुरानी फोटो देखने पर वो पल फिर से जी उठा और उन यादों की ताजगी फिर से महसूस होने लगी। ये पल सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि फैंस के लिए भी बेहद खास हैं।उन्होंने लिखा, यह फ्राइडे फ्लैशबैक मेरे जीवन की उन यादों और अनुभवों को याद दिलाता है, जिन्होंने मुझे वो बनाया जो असल जिंदगी में मैं बनना चाहती हूं। मैं अपने जीवन की इस यात्रा के लिए उन फैंस का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।टीवी पर उनकी वापसी 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के साथ हुई, जिसका प्रसारण जुलाई में शुरू हुआ। इस नए सीजन में स्मृति अपने मशहूर किरदार तुलसी के रूप में दिखाई दे रही हैं। कहानी तुलसी की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें वह मातृत्व, परिवार और समाज की उम्मीदों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हैं।

इस सीजन में दिखाया गया है कि भारतीय समाज में अक्सर मां को बच्चों की गलतियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, जबकि पिता को इसके लिए कम आलोचना का सामना करना पड़ता है। इस कहानी के जरिए समाज की उन पूर्वाग्रहों और असमानताओं को सामने लाने की कोशिश की गई है जो आज भी मौजूद हैं। राजनीति के कारण स्मृति ईरानी ने 2010 में टीवी से दूरी बना ली थी। उनका फोकस देश सेवा पर था। इसके बाद उन्होंने लंबे समय तक टीवी की दुनिया से अलग रहकर अपने राजनीतिक करियर को मजबूत किया। अब 15 साल बाद उनकी वापसी ने दर्शकों को पुराने दिनों की याद दिला दी।

अविका गौर बनीं 'शादीशुदा पागलू'

मुंबई/एजेन्सी

नवंबर का महीना अपने साथ हवा में हल्की सी ठंड के साथ शादियों की रौनक लेकर आता है। इसका आम इंसान के साथ-साथ मनोरंजन जगत के लोग भी इंतजार करते हैं। इसी बीच अभिनेत्री अविका गौर ने एक पोस्ट शेयर की। बुधवार को अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे इंडो-वेस्टर्न स्टाइल की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। सबसे खास बात यह है कि उन्होंने इसे सुहागन वाला लुक दिया है। माथे पर लाल सिंदूर, गले में मंगलसूत्र और चेहरे पर हल्का-सा मेकअप, अविका बिल्कुल नई-नवेली दुल्हन लग रही हैं। वो सोफे पर आत्मविश्वास के साथ बैठकर पोज दे रही हैं। तस्वीर पोस्ट कर अविका ने मजेदार अंदाज में लिखा, शादी का मौसम आ गया है और एक नई-नवेली दुल्हन होने के नाते मुझे सिंदूर और मंगलसूत्र पहनकर सजने का मौका मिल रहा है। अब मैं आधिकारिक तौर पर 'शादीशुदा पागलू' बन गई हूं। क्या किसी और ने भी यह दौर देखा है? अभिनेत्री की ये पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे उनकी तस्वीर पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप इस लुक में प्यारी लग रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से 'पति-पत्नी और पंगा' शो के सेट पर शादी रचाई थी। 'बालिका वधू' में छोटी आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका शादीशुदा जिंदगी को खुलकर एंजॉय कर रही हैं।

शहनाज गिल ने फिल्म 'इक्क कुड़ी' के सेट से मजेदार तस्वीरें कीं शेयर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री, गायिका और हाल ही में निर्माता बनी शहनाज गिल अपनी सादगी और बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वे अपनी फिल्म 'इक्क कुड़ी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'इक्क कुड़ी' की बीटीएस तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में वे अपने किरदार में पूरी तरह डूबी नजर आ रही हैं। इस दौरान वे कीचड़ में लोट-पोट होकर खूब मस्ती कर रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, फिल्म इक्क कुड़ी'' की यादें। बता दें कि फिल्म 'इक्क कुड़ी' अभिनेत्री की बतौर निर्माता पहली पंजाबी फिल्म है।

इस फिल्म का निर्देशन अमरजीत सोरन ने किया है और उन्होंने ही कहानी भी लिखी है। इस फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, हर्बी संघा और उदयबीर संधू भी अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। यह एक पंजाबी महिला के जीवन पर आधारित फिल्म है। फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है।

'इक्क कुड़ी' की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। इसे 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा चुका है; दर्शकों को भी काफी पसंद आ रही है।

शहनाज ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की थी। हालांकि, उन्हें असल में पहचान बिग बॉस 13 से मिली थी। दर्शकों को उनका चुलबुला स्वभाव काफी पसंद आया और यही कारण था कि वे लंबे समय तक टिकी रही थीं। वहीं, बिग बॉस सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी केमिस्ट्री ने फैंस का ध्यान खींचा था। फैंस ने दोनों को 'सिडनाज' भी दिया था। शहनाज कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने राजकुमार की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के गाने 'सजना वे सजना' के नए वर्जन में नजर आई थीं।

सुभाष घई ने खोला पुराने दौर का राज, बोले-पैसे नहीं दिल के कनेक्शन से बनता था सदाबहार संगीत

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने 80-90 के दशक के गोल्डन म्यूजिक के पीछे का असली राज बताया। इंस्टाग्राम हैंडल पर सुभाष घई ने लिखा कि किसी फिल्म का संगीत तब तक यादगार नहीं बनता जब तक डायरेक्टर और म्यूजिक कंपोजर के बीच गहरा इमोशनल तालमेल न हो। उनका कहना है कि पैसे का लेन-देन नहीं, दिल से दिल का रिश्ता ही असली जादू लाता है। फिल्म मेकर ने बताया कि इस पोस्ट की प्रेरणा उन्हें एक वायरल रील से मिली। इसमें एक गांव की 95 साल की बुजुर्ग महिला पूरे सुर और जोश के साथ उनकी सुपरहिट फिल्म 'राम लखन' का मशहूर गाना 'बड़ा दुख दीना' गा रही थी। यह वीडियो देखकर सुभाष घई इतने भावुक हो गए कि उन्होंने तुरंत प्यारेलाल जी को वीडियो कॉल किया और पुराने दिनों को याद किया।

दोनों ने उस दौर के जुनून और आपसी लगाव को याद किया। उन्होंने लिखा, डायरेक्टर और म्यूजिक कंपोजर के बीच इमोशनल तालमेल ही फिल्म में बढ़िया म्यूजिक ला सकता है। पैसे का लेन-देन नहीं। मुझे सोशल मीडिया पर एक वीडियो रील मिली जिसमें 95 साल की गांव की महिला 'बड़ा दुख दीना' गा रही थी, जिससे मुझे प्यारेलाल जी को वीडियो पर कॉल करने और 80-90 के दशक में ऐसा म्यूजिक लाने और इमोशनल जुड़ाव के बारे में बात करने की प्रेरणा मिली। हमें खुशी हुई।

सुभाष घई ने पोस्ट में प्यारेलाल के लिए प्रार्थना करते हुए लिखा, भगवान उन्हें लंबी उम्र और अच्छी सेहत दें। साथ ही उन्होंने दिवंगत लक्ष्मीकांत जी को याद करते हुए लिखा कि हम लक्ष्मीजी को भी बहुत याद करते हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने सुभाष घई के साथ कई सफल फिल्मों में काम किया है। इनकी जोड़ी ने 'राम लखन' के साथ ही 'हीरो', 'खलनायक' और 'परदेस' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया।

उत्तरप्रदेश सेवा मंडल के 'दीपोत्सव' में सजी सुरों की महफिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उत्तरप्रदेश सेवा मंडल का दिवाली स्नेह मिलन समारोह 'दीपोत्सव' रविवार को गांधीनगर स्थित वैष्णव समाज भवन में नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा गीत-संगीत एवं नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीसीपी लोकायुक्त वली पाशा एवं सेवा मंडल के पदाधिकारयों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंडल की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।ङ्क सेवा मंडल के अध्यक्ष कृष्णकांत दुबे ने सभी का स्वागत करते हुए समाज भवन के निर्माण तथा सेवा मंडल के चतुर्दिक विकास के लिए सभी सदस्यों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंडल की ओर से ऊषा गोयल एवं वेदप्रकाश शर्मा को 'समाज रत्नश्री' के सम्मान से सम्मानित किया गया। दीपावली धमाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों द्वारा गीत-संगीत एवं नृत्य कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। प्रायोजक की ओर से सभी बाल कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मंडल के उपाध्यक्ष एवं गायक प्रवीण मिश्रा के अन्य कलाकारों ने सदाबहार हिन्दी गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष केके दुबे, सचिव वीके पटेल, उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, व्यवस्थापक छोटेलाल चौरसिया, कोषाध्यक्ष विवेक गोयल, पूर्व अध्यक्ष एनके गुप्ता, पूर्व सचिव प्रमोद जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण मिश्रा ने किया। वीके पटेल ने धन्यवाद दिया।

मोक्षदा एकादशी पर श्याम मंदिर में बही भजनों की गंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम मन्दिर प्रांगण में सोमवार को मोक्षदा एकादशी मनाई गई तथा इस अवसर पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया। सुबह से ही मंदिर में भक्तों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कतारबद्ध तरीके से बाबा का दर्शन किया। इसी मौके पर शाम को आयोजित भजन संध्या में स्थानीय भजन गायकों ने बाबा श्याम को मधुर भजनों से रिझाया।

गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। ज्ञातव्य है कि श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 28 दिसम्बर को मंदिर का 13वां वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा, जिसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। ट्रस्टियों सहित अनेक श्याम भक्त वार्षिकोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

'धर्म के प्रति वफादार व्यक्ति की रक्षा स्वयं धर्म ही करता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने मौन एकादशी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पृथ्वीतल पर 12 महिनों में यह सर्वश्रेष्ठ दिन हैं। मगसर सुदी एकादशी को मौन एकादशी के नाम से भी जानते हैं। इस दिन तीर्थंकर परमात्मा के कुल 150 सौ कल्याणक हुए हैं और जो आत्मा विधिपूर्वक मगसर सुदी एकादशी की ग्यारह वर्ष तक आराधना करती है वह (आत्मा) अल्पकाल में मोक्ष सुख प्राप्त करती हैं। तीर्थंकर परमात्मा अनंत पुण्यों के पुंज होते हैं। उनके पुण्यों के उनके कल्याणकों से चारों गतियों में विचरित प्राणी मात्र को शांति, सुख और हर्ष की अनुभूति होती है। इस दिन तप-जप और मौन द्वारा तीनों तीर्थंकर की आराधना की जाती है।ङ्क साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मौन में साधना, संयम, संगीत, लय, ताल, क्रोध पर अंकुश, आत्मकल्याण, विनय, विवेकता व अव्याबाध सुख हैं। जो व्यक्ति सचमुच धर्म के प्रति वफादार रहता है धर्म उसकी रक्षा अवश्य करता हैं। एक व्यक्ति की धर्मनिष्ठा अनेक व्यक्तियों को धर्माभिमुख बनाती हैं। मौन मन का आंतरिक तप है, वही वचन का तप है। मौनयुक्त उपवास करने से मन,वचन और तप शुद्ध होता है। मौन का वास्तविक अर्थ है पौदगलिक भाव में अप्रवृत्ति। इस दृष्टि से मौन के तीन भेद है। साध्वीश्री ने कहा कि वाणी द्वारा झूठे वचन नहीं बोलना, अप्रिय, अहितकर और कठोर वचन नहीं बोलना, किसी के ऊपर झूठा आरोप नहीं लगाना, किसी की निंदा नहीं करना यानी वचन का मौन है। पुदग्लभाव पोषक प्रवृत्ति का त्याग करना, यह काया का मौन हैं। मन को धर्म, ध्यान में जोड़ना, मन द्वारा शुभ विचार करना, मन में क्षमा भाव, नम्रता भाव आदि धारण करना मन का मौन हैं। वचन से सत्य, प्रिय और हितकारी वचन बोलना वचन का मौन और काया द्वारा आत्महितकर प्रवृत्ति करना तन का मौन हैं, अंततः मन, वचन और काया की जिन जिन प्रवृत्तियों द्वारा आत्मा, पौद्गलिक भावों से मुक्त बनकर आत्म-भाव में लीन बनती हैं, उन सब क्रियाओं में मौन व्रत की ही साधना रही हुई है। इस मौके पर दावणगेरे से अनेक श्रद्धालुओं ने साध्वियों के दर्शन किए। अर्हम ग्रुप द्वारा विहार सेवा में लाभ लिया। भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शुभभाव और संयम ही आत्मकल्याण की कुंजी : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

मुमुक्षु लवेश सिंघवी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन में श्रमणसंघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनि के सान्निध्य में आचार्य आनंदऋषिजी एवं कर्नाटक गजकेसरी गणेशलालमुनिजी की 112वीं दीक्षा जयंती धर्म आराधना के साथ मनाई। इस मौके पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि महापुरुषों के गुणों का स्मरण करना हमारे लिए परम सौभाग्य की बात है। उनके त्याग, तप, विनय और साधना से हमें सही दिशा और प्रेरणा मिलती है। महापुरुषों के जीवन आदर्श हमें बताते हैं कि आत्मकल्याण का मार्ग सदैव अनुशासन, जागरूकता और संयम से होकर जाता है। शुभभाव और संयम ही आत्मकल्याण की कुंजी है। आचार्य आनंदऋषिजी और गणेशलालमुनिजी ने अपने तप, त्याग और अध्यात्म से जिनशासन पर अमिट उपकार किया है। उन्होंने संसार में रहते हुए भी आत्मा को निर्मल और उन्नत बनाया।ङ्कङ्कशालिभद्रमुनिजी ने कहा कि धर्म हमें अशुभ कर्मों से मुक्त कर शाश्वत सुख की दिशा में अग्रसर करता है। धर्म का सार बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर की शुद्ध भावना, संयम और जागरूकता में है। हर क्षण शुभ भावों में स्थित रहना ही मोक्षमार्ग की पहली सीढ़ी है। जो साधक अपने विचार, वचन और कर्म को पवित्र बनाता है, वही धीरे-धीरे कर्मबंधन से मुक्त होता है। अहिंसा, क्षमा, करुणा और मैत्री ये गुण आत्मा को हल्का, शांत और निर्मल बनाते हैं। सभा में मुमुक्षु लवेश सिंघवी का संघ द्वारा सम्मान किया गया।

सिंधनूर संघ के महावीर संचेती एवं पाली खण्डप संघ के मगराज लुकड़ का संघ ने सम्मान किया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने संचालन किया।

गुरु कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) सेंट्रल शाखा ने 'संयम यात्रा' पहल के तहत एचएसआर लेआउट में एक श्रद्धालु के निवास पर मुनिश्री पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के दर्शन किए। आदित्य कुमार जी ने भिक्षु स्वामी के जीवन पर आधारित मंगलाचरण गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। मुनि डॉ. पुलकित कुमार जी ने 'वैराग्य से संन्यास तक' की अपनी आध्यात्मिक यात्रा को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने आचार्यश्री तुलसी के समक्ष प्रतिदिन श्लोकों का पाठ किया था और रोजाना 20 श्लोक कंठस्थ करे थे। उन्होंने यह भी बताया कि दीक्षा के बाद उन्होंने आगम अध्ययन में स्वयं को समर्पित किया और मात्र छह महीनों में दशवैकालिक सूत्र को कंठस्थ किया, साथ ही बौद्ध धर्म और वैदिक परंपरा से संबन्धित ग्रंथों का भी अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि गुरु कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान मुमुक्ष ऋषिका कुमारी ने भावपूर्ण गीत की प्रस्तुति दी। धनेश कोठारी ने 'संतों से मिलो' पहल की जानकारी दी।

एचएसआर लेआउट में अनिल पुगलिया द्वारा संचालित नियमित शनिवार सामायिक और जैन धर्म की कक्षा के बारे में बताया। विवेक बरड़िया ने उपस्थित 80 प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

लक्ष्मीदेवी बनीं कुमावत महिला मंडल की अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रविवार को कुमावत समाज बेंगलूरु सिटी के समाज भवन में महिलाओं की बैठक हुई जिसमें अध्यक्ष मानकचन्द सिंडद ने महिला मंडल का गठन किया तथा सर्वसम्मति से लक्ष्मीदेवी जलान्धरा को मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं ने जलान्धरा का सम्मान किया। लक्ष्मीदेवी ने अपने प्रथम भाषण में कहा कि समाज की हम सभी महिलाओं को एकजुट होकर समाजहित में कार्य करना है। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों को हर संभव सहयोग देना का आश्वासन दिया। इस बैठक में महिलाओं के साथ साथ समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

'बाफना एमपीएल क्रिकेट टूर्नामेन्ट' के ऑक्शन समारोह में हुआ ट्रॉफी अनावरण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ के युवा संगठन द्वारा 10 एवं 11 जनवरी को बीईएल स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर बाफना मेवाड़ प्रीमियर लीग (एमपीएल) 4 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। उसी प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को शांतिनगर में खिलाड़ियों का ऑक्शन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रायोजक परिवार, 8 युवा, 2 महिला एवं 2 पुरुष सीनियर टीम के सदस्य उपस्थित थे। ट्रॉफी का अनावरण मुख्य प्रायोजक मनोहरलाल विनोद कुमार बाफना परिवार द्वारा किया गया। युवा संगठन के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने अतिथियों का स्वागत किया।

संघ के संघ अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह समाज में एकजुटता व मजबूत संबंधों का सूत्रधार भी है। महिला अध्यक्ष स्नेहलता बाफना ने कहा कि ऐसे आयोजनों से आपसी मेलजोल व सहभागिता बढ़ती है। टूर्नामेंट के चेयरमैन एवं युवा उपाध्यक्ष अरिहंत कावड़िया ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।ङ्ककार्यक्रम में सह-चेयरमैन राजेश बाफना, प्रशांत बाफना एवं अजीत संचेती ने नीलामी कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम के विभिन्न सत्र का संचालन युवा मंत्री मनीष टुकलिया एवं संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने किया। इस खिलाड़ी ऑक्सन कार्यक्रम में संघ के प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल बाबेल सहित अनेक पदाधिकारी एवं युवा टीम के सदस्य उपस्थित थे। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विवान मेहता ने 'अंडर 16 चैस' टूर्नामेन्ट जीता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजराजेश्वरीनगर में रविवार को आयोजित चैंपियंस चैस एकेडमी चैलेंज में बीबीयूएल जैन विद्यालय में नौवीं कक्षा में अध्ययनरत विवान मेहता और अव्युक्त ने क्रमशः अंडर 16 व अंडर 10 का खिताब जीता। विवान अर्पिता मेहता ने अंडर 16 कैटेगरी में छह में से छह मैच जीतकर साथी खिलाड़ी अनवित भट्ट से आगे रहे, जबकि अव्युक्त ने भी अंडर 10 कैटेगरी में अपना क्लीन रिकॉर्ड बनाए रखा ।

श्याम सेवा संघ के 'वार्षिकोत्सव' में गूंजा श्याम का जयकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्याम सेवा संघ द्वारा रविवार को खाटू वाले श्याम बाबा का 'तृतीय वार्षिकोत्सव' महाराजा अग्रसेन भवन में धूमधाम से मनाया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि श्याम भक्तों के सहयोग से बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन कीर्तन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों के साथ कानपुर से आए भजन गायक अभिषेक शुक्ला ने भजनों की प्रस्तुति दी। शुक्ला ने 'कब से पुकारा सुनता नहीं है, तेरे सिवा मेरा कोई नहीं है..., ऐ मेरे मालिक देना सहारा..., ओ मेरे बाबा तुमसे नहीं है कोई सिकवा गिला , मुझको जो कुछ मिला तेरे दर से मिला..., तेरा साथ है तो मुझे क्या फ़िक्र है..., कीर्तन की रात है, बाबा आज थाने आनो है..,' जैसे अनेको भजनों से बाबा को रिझाया।

सभागार में श्याम भक्तों ने श्याम धुन लगाई और श्याम के जयकारे लगाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। श्याम सेवा संघ के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली तथा सभी श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत राजस्थान के मेवाड़ मंगरा प्रांत के भीम में स्थित जय आनंद जन परमार्थ संस्थान में साध्वी जयमालाजी के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के बाबूलाल दक, गौतम टेबा, किशन मेवाड़ा एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुणोत बंधु महेन्द्र-हंसराज मुणोत का सम्मान किया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि जैन धर्म चरित्र एवं संस्कारों का नाम है। अहिंसा, सेवा, परोपकार जैसे संस्कार हमें बचपन से मिलते हैं जिसके परिणामस्वरूप मानवसेवा कार्य करने की हिम्मत व प्रोत्साहन मिलता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में मानवसेवा व परमार्थ के कार्य करते रहना चाहिए।

बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में 'सुपर स्ट्राइकर टीम' रही विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। युथ कनेक्ट विजयनगर द्वारा आयोजित बाबेल बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में टर्फ वारियर्स, राजेश चावत ब्रिगेड, अहिंसा स्ट्राइकर, यूनिक वारियर्स, टू चैंपियन, विजयनगर क्रिकेट क्लब, सुपर स्ट्राइकर एवं बाँठिया फॉलकन्स कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया।। फाइनल मैच विजयनगर क्रिकेट क्लब एवं सुपर स्ट्राइकर्स टीम के बीच खेला गया जिसमें सुपर स्ट्राइकर्स टीम कप विजेता रही। मैन ऑफ़ दि सीरीज एवं बेस्ट बैटस मैन सुपर स्ट्राइकर टीम के कप्तान कमलेश मांडोत, बेस्ट बॉलर विजयनगर क्रिकेट क्लब टीम के कप्तान अमित दक रहे। इस टूर्नामेंट के चेयरमैन विकास बाँठिया ने सभी टीमों के मालिक एवं खिलाड़ियों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस प्रतियोगिता के सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। टूर्नामेंट के संयोजक पीयूष ललवानी, सह संयोजक प्रिंस मांडोत सहित अन्य ने व्यवस्था संभाली।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**